जाकर, मेरे चेलो को बताओ

वास्तव में यह सौभाग्य है, कि इस प्रातः परमेश्वर के भवन में आना, और अपने प्रभु की आराधना करना, अपने जी उठे हुए मसीह की। ओह, ऐसा था... मैं थोड़ी ही, देर पहले भीतर आया हूं। बीती रात्रि हमारी शानदार मिशनरी सभा थी, एक वास्तविक, लगभग आधी रात्रि तक प्रचार हुआ। और इस प्रात: अपने प्रभु यीशु मसीह की आराधना करना। एक साथ एकत्र होकर मिलना, कितना अच्छा है!

2 जैसे कि भाई थोम कह रहे थे, आज का वह दिन है जब उसने सिद्ध कर दिया था कि वह क्या था। कोई भी मर सकता था, परंतु यह परमेश्वर ही फिर से जी उठा। उसके जीवन में, वह परमेश्वर के समान दिखाई पड़ा, उसने परमेश्वर के समान प्रचार किया, उसने परमेश्वर की समान चंगा किया, उसने परमेश्वर की समान काम किया। वह परमेश्वर था। और उसने ईस्टर कि प्रात: सिद्ध कर दिया कि वह परमेश्वर था। वह एक मनुष्य से बढ़कर था। वह भविष्यव्यक्ता नहीं था, तो भी वह एक भविष्यव्यक्ता था। वह एक भला मनुष्य था, तो भी वह एक भले मनुष्य से बढ़ कर था। वह परमेश्वर था। और इसलिए आज वह दिन है, उसके जी उठने की यादगारी में, कि उसने यह सिद्ध कर दिया।

3 इस प्रातः हमें गंगा नदी के किनारे–किनारे भ्रमण करना चाहिए, आप पाएंगे कि माताएं वे अपने बालकों को घडियाले को बलिदान कर रही है, मगरमच्छों को, उन्हें वहां फेंक देती है। आप सच्चाई की बातें करते हैं? वे अपने छोटे–छोटे बालकों को लेती है और वहां घडियालों के सामने फेंक देती है कि चबा लिए जाए। यह बहुत ही अधिक सद्भावना है।

4 यदि हम आज भारत भ्रमण करें, तो आप पाएंगे सड़कों के किनारे–किनारे, बहुत से लोग कांटे पर लेटे हुए पाएंगे, आप पर चलते हुए, और स्वयं को किसी प्रकार से दु:ख देते हुए। यह ठीक है, उनमें से कुछ केवल ढोंग करते हैं, क्योंकि यह पर्यटकों के लिए है। परंतु वहां पीछे उन अंदर की जगहो में वास्तविक लोग हैं जो वहां पड़े हुए हैं, स्वयं को दु:ख दे रहे हैं, सोचते हैं कि वह विश्राम पा सकता है और शांति, मोहम्मद से प्रार्थना—प्रार्थना कर रहे है।

5 दयनीय दृश्य, उस दिन, जब गुलगता जा रहे थे, उस नगर में... बल्कि यरूशलेम के नगर के बाहर। ठीक वहां जहां पर क्रूस दी गई थी, मुसलमानों के कब्रिस्तान पर, वहां एक स्त्री सरकंडो के नीचे लेटी हुई थी और वह वहां पड़ी हुई थी, एक काली रोटी के टुकड़े के साथ। वह वहां कई दिनों से थी, उसने प्रिय जनों के प्राणों के लिए रो रही थी जो मर चुके थे; ठीक वहीं जहां क्रूस खड़ी थी। और, इस प्रकार से संसार को पागान की स्थिति में देखते हुए!

6 अधिक समय नहीं हुआ, भाई गदूस से बातें कर रहा था, तभी चीन से लौटा था। उसने कहा, "भाई ब्रंहम, चीन में, यह दृश्य बहुत ही दयनीय था।" कहा, "उनमें से कुछ ने अपने हाथ कुछ वर्षों से ऊपर उठा रखे थे, संभवतः है चार वर्षों से लगातार उनके उंगलियों के नाखून बढ़ कर फिर से वापस लटक गए थे। कह रहे थे, 'मैं अपना हाथ कभी नहीं उठाऊंगा जब तक आप मेरे प्राणों में शांति नहीं दे देंगे, महान बुद्ध।'"

7 और—और तब बहुत से छोटे–छोटे बालक, जब वे छोटे ही होते है, तो वे अपने पैरों को चाप में *इस* प्रकार तोड़ लेते है; और अपने सारे जीवन केवल दो, या तीन नंबर का जूता पहनते है; छोटे–छोटे से पैर, क्योंकि वे किसी मूरत देवता को बलिदान कर रहे है।

8 मैं बहुत से धर्म के संस्थापकों की कब्र को देखा है; मोहम्मद, और बुद्ध कि—कि कब्र पर और कफ्युशियस की और बहुत से दार्शनिक।

9 परन्तु, आज, इन सब के ऊपर, हम मसीही लोग अपने सिरों को ऊंचा करके और गाते है, "वह जीवित है, वह जीवित है, मसीह यीशु आज जीवित है। आप मुझसे पूछ सकते हैं कि मैं कैसे जानता हूं कि वह जीवित है; वह मेरे ह्रदय में जीवित है।" और आज हमारे पास खाली कब्र है।

10 लगभग दो वर्षों पहले, मैं कब्र पर जा रहा था, एक दिन पौ फटते ही, अपने पुत्र की मां की कब्र पर फूल रखने, जो की जा चुकी थी, और छोटी बहन उसकी बाहों में थी, यहां वॉलनट रिज सेमेट्री में। और जब जा रहा था, छोटा लड़का रो रहा था, दो–तीन बार, जैसे ही वह रोया, फूलों का गुलदस्ता ला रहा था। हमने वहां पर घुटने टेके, अपनी–अपनी टोपियां उतारी; और कब्र पर रखी कब्र की एक ओर। और मैंने अपना हाथ उठाया, और दूसरा उसके गले में डाला।

11 मैंने कहा, "बिली, तुम्हारी मां और छोटी बहन। यहां है उनके शरीर नीचे हैं। उनके प्राण, परमेश्वर की उपस्थिति में है। परंतु वहां समुद्र के पार, वहां आज एक खाली कब्र है, जो कि सब मसीहो के लिए एक यादगार है। वह जीवित है।" वह जीवित है। यह हमारे—हमारे मसीही विश्वास का आधार भूत नींव है, कि यीशु आज जीवित है।

12 अब, जैसा कि अखबार में लिखा हुआ था... अब, अक्सर, हमारी ईस्टर की प्रभात की सभा में, हम अक्सर एक—एक या दो गीत गाते हैं, और अधिकांश समय यहां आराधनालय में बिताते हैं... यदि यहां कोई हमारे साथ मिलने वाला है, तो, हमारा अधिकांश समय वचन पर होता है। हम महान लोग परमेश्वर के वचन पर विश्वास करते है। और आधारभूत रीति से, मैं सोचता हूं, मैं सोचता हूं यही मार्ग है यही स्थान है यह ठीक बात है। और आज मेरे पास कुछ—कुछ बड़ी जोरदार बात है मैं पुनरुत्थान पर बोलना चाहता हूं, कुछ प्रारंभिक बातें। और मैं कुछ चीजें को संक्षेप में स्वयं लिखना चाहता हूं, जैसे–जैसे मैं आगे बढ़ता हूं।

13 पहले हम पवित्र शास्त्रों में से पढ़ने के लिए निकालें, मत्ती में 24वां अध्याय, या बल्कि 22वां अध्याय, और 41 वे पद से आरंभ करके। मैं पवित्र लेख का मूल पाठ पढ़ना चाहता हूं, तब फिर पुनरुत्थान पर। इस प्रातः मेरी सेवा का सार, ये यहां पर है। "जब फरीसी आपस में इकट्ठे हुए... " मुझे क्षमा करें। मैंने—मैंने गलत स्थान पर निकाल लिया, अपने मूल पाठ को पढ़ने में। यह मत्ती 23 वें अध्याय में था, मैं विश्वास करता हूं... बस एक मिनट। मुझे खेद, कि, मैं देर रात्रि तक और अपना मूल पाठ सही निर्धारित नहीं कर सका, इस प्रातः, अपने पढ़ने का वचन ढूंढू। ओह, हां।

... *जाओ मेरे* चेलो से कहो *कि* मैं उन्हें *गलील* में मिलूंगा, ...

14 ठीक है, श्रीमान। अब, यीशु मसीह, परमेश्वर के पुत्र ने इन बेचारी स्त्रियों को, अपने जी उठने के पश्चात, एक प्राधिकार दिया कि उसे... उसे क्या करना था। उसे उन्हें बताना था कि वह उनसे गलील में मिलने वाला था, जहां के लिए उसने प्रतिज्ञा की थी कि—कि वह—वह उन पर प्रगट होगा, और कि वह सदा उनके संग रहेगा।

15 अब मत्ती का 28वां अध्याय, बल्कि, 7वें पद से, आरंभ करके हम पढ़ते है।

और शीघ्र जाकर उसके चेलों से कहो, कि वह मृतको में से जी उठा है; और, देखो, वह तुमसे पहले गलील को जाता है; वहां उसका दर्शन पाओगे: देखो, मैंने तुमसे कह दिया।

16 यह स्त्रियों को स्वर्ग दूत का संदेश था, मरियम को और... दो मरियमें। यह उस पर था... पहली ईस्टर की प्रातः; महिमामय खबर का धमाका।

17 जब वह इस पृथ्वी पर रहा, वह एक मनुष्य के समान चला, वह एक मनुष्य के समान दिखाई पड़ा। उसका सारा बाहरी उसका—उसका बाहरी रूप एक मनुष्य के समान था; तो भी भीतर से, वह एक मनुष्य जाति से बढ़कर था। वह इम्मेनुएल था। आज सबसे बड़ी घटना को स्मरण करने का दिन है जो कभी पूरी दुनिया में हुई है। कभी भी कोई मनुष्य नहीं हुआ, सिवाये इस मनुष्य मसीह यीशु के, जिसने कहा, "मुझ में सामर्थ है कि मैं अपना प्राण दे दू, और सामर्थ है कि उसे फिर वापस ले लू।"

18 कनफुसियस, हां, और, मोहम्मद, और बुद्धा, और दूसरे बहुत से महान दार्शनिक; परंतु, जब वे मरे, तो बस तय हो गया। वे सदा के लिए समाप्त हो गए। उन्होंने उन्हें गाड़ दिया, और यह... इसका अंत हो गया।

19 परंतु इस मनुष्य में सामर्थ थी कि अपने जीवन को दे दे और उसे फिर से उठा ले। केवल एक ही व्यक्ति यह कर सकता है; केवल एक ही के पास था, जिसने कभी सिद्ध किया कि वह यह कर सका।

20 और, अब, और यह मनुष्य का भय रहा है, युगो से, वह मृत्यु थी। हर मनुष्य जो संसार में आता है सदा मृत्यु से डरता है। महान... हमारे पास नेपोलियन था, हिटलर था, और सब कुछ; परंतु जब मृत्यु की घड़ी आती है, तो हर कोई उनमें से छोटा पड़ गया। मैंने लोगों को बातें करते, डिंग मारते बड़ी–बड़ी निंदा आदि करते देखा है; परंतु, जब मृत्यु आती है, तब वे, प्रत्येक पीछे को सिमट जाता है।

21 वैसे कि बोब इगरसोल, एक विशेष महान विधर्मी, जब उसने अपनी घड़ी बाहर निकाली और अपने लोगों के लिए पकड़ी, और कहा, "यदि कहीं कोई परमेश्वर है, तो मैं इस घड़ी की टिक के एक मिनट पश्चात मर जाऊंगा।" वह, कभी नहीं मरा। और उसने बहुत ही "हां–हां," किया और बात की, और कहा, "आप देखिए, परमेश्वर जैसी कोई चीज नहीं है।" परंतु जब...

22 ठीक है, ये तो केवल वचन को पूरा करना था। पवित्र शास्त्र ने कहा कि, कि, "अंत के दिनों में ठंडा करने वाले आएंगे," और वे हमारे यहां है।

23 इसलिए उसने कहा, "अब, देखिए, परमेश्वर जैसी कोई चीज नहीं है।" परंतु अस्पताल के कमरे में जब वह मर रहा था, जहां बहुत से लोग एकत्र हुए थे यह देखने के लिए कि क्या घटित होगा, वह चिल्लाया, "ओह परमेश्वर, मेरे प्राण पर अनुग्रह कर!"

24 मेरे पिता का एक मित्र था... या घनिष्ठ मित्र नहीं, बल्कि जाना माना विधर्मी। और उसने कहा, "परमेश्वर जैसी कोई चीज नहीं है।" उसने परमेश्वर के विचार को भी शापित किया। उनकी पत्नी बग्गी जोड़ कर और आराधनालय जाया करती थी, और वह जाकर रविवार को हल चलाया करता था, और सब कुछ, केवल यह दिखाने के लिए कि परमेश्वर जैसे कोई चीज नहीं है।

25 एक दिन, बस उसने अपने गेहूं रखें, और अचंभित हो गए; उस पर बिजली गिर गई। और वह बाहर निकल गया और अपना हाथ उठाकर और परमेश्वर के विचार को कोसा। जब, उसने यह किया, तो बिजली उसके खलियान के कोठरे पर गिरी जहां उसकी कुछ अच्छी जाति के घोड़े थे, और उन्हें मार डाला, हर एक को।

26 उसके कुछ सप्ताहों के पश्चात, वह वहां चलते हुए अतिसार बुखार में बैठा हुआ था, और मर गया, जबकि मेरे पिता ने उसे उठाकर चारपाई पर डाला। और वह चिल्लाया और रोया, शैतान, जंजीरों से जकड़े हुए, उसके पीछे–पीछे आ रहे थे, और सब कुछ। और जब वह बाहर गया, तो उसने अपने परिवार को अपने पास इकट्ठा किया, उसके छोटे–छोटे बालक। उसने कहा, "तुम लोग उस मार्ग पर मत जाना जिस पर तुम्हारा पिता गया। अपनी मां के मार्ग पर चलना, क्योंकि जीवन का केवल एक वही मार्ग है।"

27 घर पर मेरे पास एक पुस्तक है, और बहुत से अति विशिष्ट लोगों कि गवाहियां है, ऐसे महान... इंग्लैंड की—की एक महारानी की और कुछ लोगों की। जब वे मृत्यु की ओर बढ़ रहे थे, तो वे चिल्लाये और रोये।

28 इंग्लैंड की रानी एलिजाबेथ ने कहा, "यदि मैं केवल यह कर सकूं... यदि मुझे जीवन के पांच मिनट और मिले तो मैं अपना राज्य दे दूंगी, ताकि

मैं अपना प्राश्चित कर सकूं, और अपने ह्रदय को परमेश्वर के प्रति ठीक कर सकू।"

29 दूसरा अति जाना माना पुरुष ने कहा, "मैं अंधेरे में बढ़ रहा हूं। मैं नहीं जानता कि मैं कहां जा रहा हूं। यदि मैं... "

30 और दूसरा महान अनिश्वरवादी बोला, और कहा, "प्रतीत हो रहा है कि दो दीवारे है, और मैं चिल्लाया, और," कहा, "दीवार से दीवार एक गूँज है।" वह केवल यही सुन सकता था। उसने उद्धार के दिन को त्याग दिया था तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

31 तब मैं एक महान माने हुए व्यक्ति के विषय में सोचता हूं, जो मर गया, जो हमारे यीशु मसीह में विश्वास रखता था और उसके पुनरुत्थान में। मैं यहां उसके लिए सोचता हूं, वह डी.एल. मूडी के लिए—के लिए, उसकी मृत्यु पर बहुत कुछ कहा गया, "क्यों, यही मृत्यु है? " उसने कहा, "यह मेरे ताज पोशी का दिन है।" और मैंने सोचा, जब—जब जॉन वैसली, जब वह मर रहा था। जब अब्राहम लिंकन के गोली मारी गई और लहू बहाते हुए मृत्यु हुई, एक—एक स्थान पर रखा हुआ था।

32 मैं यहां इलिनोइस में, एक संग्रहालय के पास से निकल रहा था, कुछ समय पहले। मैंने एक अच्छी आयु का एक अश्वेत व्यक्ति देखा जिसके सिर के किनारे–किनारे सफेद बाल थे, देखता हुआ चारों ओर घूम रहा था। कुछ देर पश्चात वह रुक गया, और आंसू उसके गालो पर से बह रहे थे। वह पीछे हटा और प्रार्थना करने लगा। मैंने कुछ मिनटों तक उसे ध्यानपूर्वक देखा । मैं भी घूम रहा था, इसलिए मैं आगे बढ़ा, और मैंने कहा, "अंकल क्या बात है? मैंने देखा आप प्रार्थना कर रहे थे।"

उसने कहा, "देखो, वहां रखा है।"

33 मैंने, वहां रखा देखा, और मैं वहां केवल एक पोशाक रखी देख सकता था। और उसने कहा... मैंने कहा, "मैं तो केवल एक पोशाक रखी देखता हूं।"

34 "परंतु," उसने कहा, "देखिए, श्रीमान।" उसने कहा, "मेरे कोट के नीचे गुलामी के पट्टे को निशान है।" उसने कहा, "और वह अब्राहम लिंकन का लहू है।" उसने कहा, "मेरे पट्टे को हटाने के लिए अब्राहम लिंकन का लहू लिया गया।"

35 मैंने सोचा, "यदि यह अश्वेत पुरुष को उत्तेजित करता है, उस अब्राहम लिंकन के लहू के कारण, क्योंकि इसने उसके गुलामी के पट्टे को हटा दिया; तो विश्वासी के लिए यीशु मसीह के लहू का क्या अर्थ होना चाहिए, जब हम पलट कर कलवरी की ओर देखते हैं और देखते हैं कि वहां उसने पाप के पट्टे को हमारे ह्रदयो से ले लिया और हमें स्वतंत्र किया," जिसके लिए हम बातें कर रहे हैं, पिछली कुछ रात्रियों से। यह कितना भिन्न है!

36 अब्राहम लिंकन, जब वह मर रहा था, वह अन्त पर था। और जब वह... परंतु जब उसको गोली मारी गई थी, इस महान आराधनालय में, और वह अपने पलंग पर मर रहा था, उसने कहा कि, "मेरा मुंह डूबता हुए सूर्य की ओर कर दो।" सूर्य सांझ को डूब रहा था। लिंकन सांस ले रहा था, और खून उसके फेफड़ों में फड़फड़ कर रहा था। उसने सदा परमेश्वर पर विश्वास किया। उसने कहा, "मेरे हाथों को पकड़ लो।" और उसने उसके हाथों को पकड़ा। और उसने कहा, "हे हमारे बाप तू जो आसमान पर है, तेरा नाम पवित्र माना जाए," उसने अपना सिर झुकाया और अपनी आत्मा छोड़ दी।

37 पॉल राडर, मेरा प्रिय मित्र जिसने मेरा विषय गीत लिखा है, ओन्ली बिलीव, *केवल विश्वास;* जब वह सामने मर रहा था, उसने बस उसका कंधा झुकाया, अपना सिर मेरे प्रबन्धक के कंधे पर रखा, श्री बेक्सटर। वह बड़ा महान साहसी व्यक्ति रहा था जिसने समुन्द्रो और समुद्र पार कि यात्राये की थी, और सब कुछ, और वह वहां पर गड़बड़ा गया, और कुछ धार्मिक पुस्तक में शब्दाश: विश्वास करने वालों में गड़बडा गया था, और उसके संदेश ने उसे मृत्यु की चिंता में डाल दिया। और जब वह मर रहा था, तो वह अपने कमरे में लेटा था, और मृत्यु के समीप था, आमने–सामने संघर्ष कर रहा था।

38 और यहां मनुष्य की वास्तविक जय थी, वह सदा एक महान चोटो में था, जैसे कि आप में से बहुत से उसे जान जानते है, पौलुस था। उनके पास मूड़ी बाईबल इन्सटीट्यूट की एक छोटी गायन मंडली थी। और उन्होंने खिड़कियों के सारे पर्दे गिरा रखे थे, जब वह जा रहा था। वह उठा, और देखा। उसने अपना सिर हिलाया, और उसने कहा, "कौन मर रहा है तुम या मैं?" कहा, "उन पर्दों को हटा दो, और मेरे लिए कोई अच्छा जीवित, पुनरुत्थान, सुसमाचार का गीत गाओ।"

39 और जब उन्होंने इस प्रकार से गाना आरंभ किया, उसने कहा, "मेरा भाई लूक कहां है? "

40 उसके भाई को लाए। लूक उसके साथ जाया करता था जैसे एक लड़का मेरे साथ जाता है, और आदि–आदि। लूका आगे वाले कमरे में रो रहा था। लूक अंदर आता है; एक बड़ा चौड़े कंधे वाला व्यक्ति, हो सकता है आप जानते हो। उसे और मा सन्डे, और वे सारे वहां थे।

41 जब वह घूमा तो उसने लूक का हाथ पकड़ा, कहा, "लूक, हम दोनों बहुत लंबे मार्ग पर एक साथ चले। परंतु, इस पर सोचो, अब से पांच मिनट में, मैं यीशु मसीह की उपस्थिति में खड़ा होऊंगा, उसकी धार्मिकता को पहने हुए।"

सारे महान लोगों के जीवन मुझे याद दिलाते हैं
हम अपने जीवन को परम बना सकते है,
अलगाव के साथ, हमारे पीछे छूट जाते हैं
समय की रेत पर पद चिन्ह;

पद चिन्ह, जो कि शायद, कोई और,
जीवन के पवित्र धारा में खे रहा है,
जब एक उदास और टूटी हुई नाव का भाई,
यह देखते हुए, ह्रदय को फिर संभाल लेंगे।

42 मैं *जीवन के गीत* के विषय में सोचता हूं, वह महान अंग्रेजी कवि, लॉन्ग फेल्लो, जब उसने यह लिखा। मैं कुछ ही महीनों पहले, उसकी कब्र के पास खड़ा था। मैंने उसकी महान कविता के विषय में सोचा और उसकी संसार को क्या दिया, और मैं... वह *जीवन का गीत,* मेरा एक प्रिय था। मृत्यु सदा एक भय था। मनुष्य इससे डरा आरंभ से अब तक। पीछे वहां अदन वाटिका से, मनुष्य मृत्यु से डरा।

43 मैं महान भविष्यवक्ता, अय्यूब, के विषय में सोचता हूं, जब वह उस स्थान पर बैठा था और वह जान गया कि वह जा रहा था। उसने वहां एक बड़ा उपदेश दिया, जिसे हम अय्यूब 14 में पाते हैं। उसने फूलों को देखा; वह कैसे मर कर फिर जी उठते हैं। उसने वृक्षों को कैसे देखा; यदि यह उड़ जाए, टूट जाए, हवा इसे तोड़ दे। "मृत्यु में, तब भी वह फिर जीता है," उसने कहा। "उन जल की—की थोड़ी बूंदों से, हाँ," वह कहता है, "वह जीवित रहता है।" हम अपने—अपने—अपने पशुओं को देखते है, और

आदि–आदि, जैसे कि वे जीते और मरते है। हर चीज जिसमे चलने वाला प्राण है, जब वह मरता है, तो वह फिर कभी नहीं जीता।

44 इसलिए अय्यूब आश्चर्य में पड़ गया कैसे परमेश्वर ने यह फूल ले सकता है और उसे फिर से जीवन देता है, और फिर भी वह फिर से जीवित नहीं रह सकता। उसने कहा, "हां, मनुष्य अपनी आत्मा देता है वह नष्ट हो जाता है, और वह कहाँ है? " उसने कहा, "उसके पुत्र उसका सम्मान करने को आते हैं, परंतु वह इसे नहीं समझता।" तब उसने कहा, "ओह, तू मुझे कब्र में छिपा देगा, ताकि तू मुझे गुप्त स्थान में रखें, जब तक तेरा क्रोध टल ना जाए, तूने मेरे लिए एक समय और बंधनयुक्त किया है, और मैं बच नहीं सकता। परंतु यदि तू मुझे गुप्त स्थान में रख दें, जब तक कि तेरे क्रोध का दिन... "

45 ठीक अपनी पीढ़ा के मध्य में ठीक उस समय जब अंधकार की घड़ी थी, ठीक उस महान निर्णयक घड़ी में, तब वह छोटा एलिहू आया और उससे बोलने लगा; बता रहा था कि फूलो ने पाप नहीं किया; वह ही है जिसने पाप किया है, और कि पुनरुत्थान होगा। "किसी दिन एक होगा जो आएगा इस संसार को आज्ञाकारी बनाएगा, परमेश्वर की सूरत में मनुष्यों के समान बनाया। पापमयी उस पर देह को पहन लेगा, नहीं तो और बिचवाई के लिए खड़ा होगा क्रोधी, पवित्र परमेश्वर और पापी मनुष्य के, और अपने हाथों को दोनों पर रखेगा और मार्ग को जोड़ देगा।"

46 और जब अय्यूब ने देखा, कि प्रभु के पुनरुत्थान की राह देख रहा है। उसने इसे देखा। अब ध्यान दे। दूसरे शब्दों में, अय्यूब यह वह लेने का यत्न कर रहा है, "मैं जानता हूं कि जब मनुष्य भूमि की मिट्टी में चला जाता है, वह बस दूषित होता है और चला जाता है। मैंने उस पर ध्यान दिया है। वह फिर कभी नहीं जी उठता। वह बस लेट जाता है और अपनी आत्मा छोड़ देता है, और वह चला गया। और वह कहां है? कोई नहीं जानता कि वह कहां है। परंतु मैंने ध्यान दिया कि दूसरी चीजें मृतकों में से जी उठती है, परंतु वह नहीं।"

47 तब जब यह भविष्यवक्ता आत्मा में आया, परमेश्वर ने उसे दिखाना आरंभ किया कि क्या–क्या घटित होने जा रहा है; कि एक ऐसा होगा जो संसार के पापों को उठा लेगा और फिर जी उठेगा। उसने प्रभु के पुनरुत्थान

को देखा। जब, मैं सोचता हूं, तो, मैं इसे प्रेम करता हूं। उसने कहा वह खड़ा हो गया। उसने स्वयं को भटका दिया।

48 वह एक राख के ढेर पर बैठा हुआ था। प्रभु! जिसे आज हम कहते हैं कि दुर्भाग्य ने उसके घर को मारा है। उसके सारे बालक मारे गए। उसकी सारी संपत्ति जाती रही। उसका स्वास्थ्य जाता रहा। वह बैठा हुआ है, एक मसीही, या एक विश्वासी, ठुकराया हुआ बैठा है। मनुष्य यहां तक की उसकी कलीसिया ने उसकी ओर पीठ फेर ली। वह वहां बैठा हुआ है, अपने फोड़ो को खुजा रहा है।

49 और जब परमेश्वर का आत्मा उस पर आया, और उसने इस प्रातः पुनरुत्थान को देखा, आप जानते हैं, वह खड़ा हो गया, और उसने कहा, "मैं जानता हूं कि मेरा छुड़ाने वाला जीवित है, और अंत के दिनों में वह इस पृथ्वी पर खड़ा होगा। और यदपि शरीर के कीड़े इस शरीर को खा जाए, तो भी मैं अपने शरीर में होकर मैं परमेश्वर को देखूंगा; जिसको कि मैं अपने उसके लिए देखुंगा... " वह जान गया, कि वह उसे अंतिम दिनों में देखेगा, क्योंकि पुनरुत्थान होगा, एक साधारण पुनरुत्थान।

50 मैं दाऊद के लिए सोचता हूं, जब वह बूढ़ा हो रहा था। एक महान राजा होने के नाते, जो कि वह था, परमेश्वर ने उससे शपथ खाई, उसके ही वंश के द्वारा वह मसीह को उठाएगा कि उसके दाहिने हाथ पर बैठे। तब मैं दाऊद को देखता हूं, जब वह बूढ़ा था, अपने जीवन के अंतिम भाग में था, और सारी शारीरिक शक्ति लगभग समाप्त हो चुकी थी। उसने कहा, "इसके अतिरिक्त मेरा शरीर आशा में विश्राम करेगा, क्योंकि वह अपने पवित्र जन को सड़ने देगा; ना ही उसके प्राण को अधोलोक में छोड़ेगा।" उसने यीशु को पहले से देखा, मसीह का पुनरुत्थान; और यह जानते हुए कि उसकी देह भूमि की मिट्टी में नहीं रुकेगी, परंतु वह फिर भी उठेगा।

51 पीछे मैं अब्राहम के लिए सोचता हूं जब परमेश्वर ने उसे बैठाया, और कहा, "अब, अब्राहम, तू बूढ़ा हो रहा है, और तेरी आयु निकल चुकी है, कि तेरी और साराह दोनों की। परंतु तेरे बालक उत्पन्न करने की आयु निकल चुकी है, परंतु मैं तुझे एक प्रतिज्ञा का पुत्र देने जा रहा हूं।" तब अब्राहम ने कैसे अपनी यात्रा आरम्भ की और प्रतिज्ञा के देश में चला गया, और उस समय की प्रतिक्षा की उसका आशीषित किया हुआ आएगा, जो कि मसीह यीशु का प्रतिनिधित्व करेगा।

52 और पच्चीस वर्षों के पश्चात, इस प्रतिज्ञा का विश्वास करते हुए, इसके पहले कि प्रतिज्ञा पूरी हो, तब परमेश्वर अब्राहम पर प्रगट हुआ, और उसे दर्शाया कि मृत्यु में, वह अपने पुत्र को क्रूस पर चढ़ायेगा; और, पुनरुत्थान में, वह उसे फिर जिला उठाएगा, और उसे सब कुछ देगा। छायाओं को असफल करता है, सारी चीजें जो मनुष्य के चारों ओर नियमित रूप से लगी रहती है, और मृत्यु, और मृत्यु का भय क्या है, असफल हो जाएगा, जब उन्होंने यह देख लिया।

53 और उसने बूढ़े अब्राहम को यह पूर्व दृश्य दिखाया, और वह पशुओं के दो भागों के मध्य में होकर निकला जो उसने काटे थे। जिसे कि उसने हमने कुछ सप्ताहों पहले लिया था, बल्कि, पिछले सप्ताह, यह उससे पिछले वाले सप्ताह में; हमारी सेवाओं के चलते कि कैसे उसने छोटी ज्योति को बनाया, जो कि परमेश्वर था, इनके मध्य से होकर निकला, अपनी प्रतिज्ञा की शपथ की पुष्टि की।

54 और तब पलटकर अब्राहम को आशीष दी; सौ वर्ष का बूढा मनुष्य, और नब्बे वर्ष की स्त्री, एक युवक और युवती में फिर बदल गए और एक—एक पुत्र को जन्म दिया, इसहाक को। जो कि उसमें से, अब्राहम का वंश निकला। अब्राहम में से... उसमें से इसहाक में से, दाऊद उत्पन्न हुआ; दाऊद से मसीह आता है; और मसीह में से मृतकों का पुनरुत्थान आता है। क्या ही शानदार प्रतिज्ञा है! कैसे परमेश्वर ने युगों में से होते हुए पहले से इन सब बातों की छाया दिखायी!

55 तब, अंततः, और जैसे कि हमने पिछले कुछ दिनों में भूमिका के लिए लिया था, कि कैसे पुराने नियम के सारे लोग, सारे भविष्यवक्ताओ ने उन्होंने अपने गाडे जाने के स्थान को सुनिश्चित किया।

56 आज आप लोग कब्रिस्तान में जाएंगे, आप में से बहुत से, अपने प्रियजनों की कब्र पर फूल रखेंगे।

57 अब इस पर ध्यान दे। पुराने नियम के सारे भविष्यवक्ताओं के पास, कोई ऐसा वचन नहीं था, जिसके द्वारा वे चलते जैसे हमारे पास है, परमेश्वर की कोई दिव्य प्रतिज्ञा नहीं, केवल पवित्र आत्मा की अगुवाई के द्वारा। "पुराने नियम के लोग, जैसे कि वे पवित्र आत्मा के द्वारा चलाए जाते थे, परमेश्वर का वचन लिखा।" उनमें से प्रत्येक, जब वे मर गए, तो उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि वे चाहते हैं कि उन्हें फिलिस्तीन देश में गाड़ा जाए। उन्होंने कभी

नहीं चाहा कि... वे फिलिस्तीनी से बाहर मरे, उनमें से बहुत से, परंतु वे फिलिस्तीन में गढ़ना चाहते थे क्योंकि परमेश्वर ने पुनरुत्थान का पहला फल फिलिस्तीन से दिया।

58 तब यीशु आता है, और उन्होंने उसके साथ वही किया जो उन्होंने कहा कि वे करेंगे। जब वह बेतलहम में जन्मा था, तो वह गौशाला के द्वार से होकर भीतर आया, और फांसी की सजा के द्वारा चला गया। जबकि वह यहां पृथ्वी पर था, उसने अपने जीवन में कभी भी पच्चास मील से अधिक की यात्रा नहीं की। वह कभी भी कहीं नहीं गया; फिलीस्तीन के आसपास, तब भी उसके सुसमाचार का संदेश संसार के हर कोने में पहुंच गया।

59 उसने अपने जीवन में कोई पुस्तक नहीं लिखी; तब भी उसके विषय में पुस्तक लिखी गई, और प्रत्येक युग में सबसे अधिक बिक्री, बाईबल। और फिर भी, वहां... अपने जीवन में कभी भी विश्वविद्यालय नहीं गया, और फिर भी उसके सम्मान में बहुत से महाविद्यालय खोले गए संसार में किसी भी चीज से अधिक—अधिक, या किसी मनुष्य के नाम से अधिक। और वह कभी भी अधिक दूर नहीं गया। उसने एक नम्र और दीन जीवन व्यतीत किया। उपहास उड़ाने वालों के द्वारा, उस पर हंसा गया।

60 और उसने कहा कि अपना जीवन देने को उसके पास सामर्थ थी, और जी उठने की सामर्थ। कोई भी मनुष्य इस प्रकार की डींग मार सकता है। परंतु उसने अपना दावा सिद्ध कर दिया जब वह ईस्टर की प्रात: उठ खड़ा हुआ।

61 जब, उन्होंने उनके हाथों को छेदा, और उसके—और उसके पांव, और उसकी पसली; और उसके सिर पर कांटों का ताज। और वहां वह मर गया, कलवरी पर अनुग्रह के लिए, चिल्लाता हुआ। जब वह पृथ्वी पर था, तो वह मनुष्य के समान दिखता था और उसने मनुष्य के समान व्यवहार किया। और जब वह कलवरी पर मरा, तो वह एक मनुष्य के समान अनुग्रह के लिए चिल्लाया।

62 परंतु ईस्टर की प्रातः, जब वह जी उठा, उसने सिद्ध कर दिया कि वह एक मनुष्य से बढ़कर है। वह परमेश्वर था। उसके पास अपना प्राण देने की सामर्थ थी।

63 अब, पहली बात, उस प्रातः चेलो का वह छोटा झुंड सब के ह्रदय टूटे हुए थे। वे नहीं जान पाए कि क्या घटित हो गया। उनमें से कुछ अपने–अपने मछली पकड़ने के जालो के लिए वापस चले जाना चाहते थे।

64 अब जैसे एक छोटे से पूर्व दृश्य के लिए कि मृत्यु क्या थी, और मृत्यु कितनी भयानक थी, और हमारे मसीही धर्म के संस्थापकों से होते हुए, कैसे हमारे पूर्वजों के द्वारा वे प्रतिज्ञाये दी गई जिनका मैंने आज प्रात: उल्लेख किया। अब हम सीधे घर की ओर आए, जहां पर यह है।

65 ये बेचारे चेले, उसके बाद... आरम्भ में यह छोटा झुंड घृणा का पात्र था। [टेप पर खाली जगह—सम्पा।] इस पृथ्वी पर उनके बहुत से मित्र नही थे।

66 और कोई भी व्यक्ति जो इस पृथ्वी पर यीशु मसीह की सेवा करता है उसके अधिक मित्र नहीं होंगे। आपको अपने निष्कपट विश्वास पर अकेले ही दृढ़ता से खड़े रहना है। बहुत ही बार आपको स्वयं खड़ा होना होगा, परंतु उसने प्रतिज्ञा दी है कि वह आपके साथ खड़ा होगा। "मैं अंत तक तुम्हारे साथ चलूंगा।"

67 और अब जबकि मैं उसे देखता हूं, हम उसकी और देखें। उसे अलग हो जाया गया, उन्होंने आशा की थी, क्योंकि वह आश्चर्य कर्म कर सकता था। और उसने दावा किया कि, वह अपने से कुछ नहीं करता, परंतु जो पिता उसे दिखता है। परंतु वह—वह आश्चर्य कर्म करने वाला था। और जब उसे पिलातुस के हाथों में सौंप दिया था, तो फिर कैसे वे परमेश्वर के मसीहा से आशा कर सकते, जिसके कपड़े उतार कर नंगा कर दिया गया था; और वहां खड़ा था और पीटा, और घायल, और मसला, और पीसा गया, और थूका गया, और अपना मुंह तक नहीं खोला और इस विषय में एक शब्द नहीं कहा। इससे उनके ह्रदय टूट गए।

68 वही मनुष्य जो हाथ फैला कर, और कहता, "शांत हो जा," और हवाये और लहरे उसकी आज्ञा का पालन करती।

69 वही जो शव यात्रा को रोक सकता था, और उस ताबूत पर हाथ रखकर, और कहता, "युवा मनुष्य, मैं तुझसे कहता हूं उठ खड़ा हो," और वह आ जाता।

70 वही जो शोक संतप्त परिवार में गया, जहां एक पुत्री अभी–अभी मरी थी; याईर, एक छोटा याजक जो स्वयं यीशु के पास बैठेगा, और विश्वासी बन जाएगा। और वह भीतर गया, कहा, "शांत रहो, क्योंकि लड़की मरी

नहीं है; वह सोती है।" निश्चय ही उन्हें मालूम था। निश्चय ही वहां कुछ था। वह भीतर गया, और उसका हाथ पकड़ कर उठाया; उसकी ओर देखा, और कहा, "लड़की, मैं तुझसे कहता हूं, उठ।" और लड़की जो मरी हुई थी, और उसका प्राण जा चुका था, अपने पैरों पर खड़ी हुई और जीवित रही।

71 कैसे वह लाजर की कब्र पर गया, और एक मनुष्य के समान रोया, और आंसू उसके गालों पर बह रहे थे, और जैसे कि वह वहां खड़े हुए रो रहा था। और वह मनुष्य जो चार दिनों से मरा हुआ था, और खाल के कीड़े उसके शरीर के भीतर बाहर आ जा रहे थे। परंतु उसे देखिए वह एक *इस* प्रकार का छोटा सा व्यक्ति उठा कहा, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूं। वह जो मुझ में विश्वास करता है, यदि वे मर भी जाए, तो भी वह जीवित रहेगा। वह जो जीवित है और मुझ पर विश्वास करता है कभी नहीं मरेगा।" इस पर सोचिए। "वह जो जीवित है मुझ पर विश्वास करता है कभी नहीं मरेगा।"

72 आज प्रातः हमारे पास क्या ही आशा है, तब, जब हम अपने प्रिय जनों की कब्र पर जाते है! इस मरण हार शरीर में हमारी क्या ही आशा है, आज, जैसे कि पवित्र आत्मा गवाही रखता है, "वह जीवित है! 'कभी नहीं मरेगा; उसके पास अनंत जीवन है।'" तो भी हम देहो को बढ़कर के उन्हें कब्र में रखते हैं जो हमारे संत है, परंतु भीतर वे जीवित है। वे कहीं जीवित है।

73 जब वह खड़ा हुआ, और कहा, "पुनरुत्थान और जीवन मैं हूं," और वहां एक व्यक्ति पड़ा हुआ था। उसने कहा, "पत्थर को हटाओ।" और उसके शरीर कि गंदगी, मानव देह की बदबू, आप जानते हैं यह क्या है। जब उन्होंने उठाया, क्यों, यह चारों ओर बुरी बदबू थी। परंतु उसने कहा, और कहा, "लाजर बाहर निकल!" और वह व्यक्ति जो पिछले चार दिनों से मरा पड़ा था, कब्र में से उठा खड़ा हुआ।

74 वे इस प्रकार की सामर्थ के साथ, ऐसे व्यक्ति को कलवरी पर लटके हुए कैसे देख सकते थे, उस उपहास के साथ, सिपाहियों का थूक, उसका उपहास उड़ाते हुए, उसकी दाढ़ी पर से टपक रहा था; जब उन्होंने मुट्ठी भर के उसके गाल से दाढ़ी नोच ली, उसके सिर पर मार कर, कहा, "भविष्यवाणी करके बता किसने तुझे मारा!" जब वे लोग रोमी कीलो को

उसके हाथों और पैरो में गढ़ते देखते हैं, कैसे वे इस प्रकार के मनुष्य को मरते हुए देख सकते थे? क्योंकि, परमेश्वर ने न्याय चाहा, और मसीह ने हमारा न्याय अपने पर ले लिया।

75 वे कितनी निराशा में थे! वे अपने मछली के जालों पर फिर वापस चले गए। पतरस ने कहा, "मैं मछली पकड़ने को जाता हूं।" चेलो ने कहा, "मैं भी तेरे साथ चलूंगा।" उन्होंने किया। वे सब कुल मिला कर टूट चुके थे, निराश थे।

76 वहां उन्होंने उसकी देह को उतारा, और उसे पतली चादर में लपेटा, और उसे कब्र में लिटा दिया।

77 और कहा, "यह धर्मांधता का अन्त है।" संसार कैसे उसके विरुद्ध था! उन्होंने कहा, "वह पवित्र शोर मचाने वाला है। वह पागल है। वह—वह एक धर्मान्ध था, और आदि–आदि।"

78 परंतु उसने कहा वह परमेश्वर था। वह उसके समान दिखाई दिया। उसके समान व्यवहार किया। उसने सिद्ध कर दिया कि वह परमेश्वर था। यह ठीक बात है।

79 अधिक समय नहीं हुआ, कि एक महिला ने कहा, जैसे कि मैं यह बहुत बार कह चुका हूं। उसने कहा, "भाई ब्रंहम वो दिव्य नहीं था।" एक क्रिश्चन साईंस की महिला, ने कहा उसने कहा, "वह केवल एक मनुष्य था।" कहा, "वह एक साधारण मनुष्य था।"

80 मैंने कहा, "वह एक मनुष्य से बढ़कर था। वह परमेश्वर था।" मैंने कहा, "या तो वह परमेश्वर था या फिर एक धोखेबाज था।"

81 उसने कहा, "देखिए क्योंकि वह लाजर की कब्र पर रोया, उसने सिद्ध कर दिया कि वह सिवाये एक मनुष्य के और कुछ नहीं था।"

82 मैंने कहा, "जब वह रो रहा था, वह एक मनुष्य के समान रोया। परंतु जब उसने एक मृतक को जीवित कर दिया, तो उसने सिद्ध कर दिया कि वह परमेश्वर था।" यह ठीक बात है। मैंने कहा, "जब वह भूखा था, तो उसे मनुष्य के समान भूख लगी।"

83 परंतु क्या आप कल्पना कर सकते है कि एक मनुष्य अंजीर के पेड़ के पास खड़ा हुआ है; और खाने के लिए कुछ ढूंढने का यत्न कर रहा है, और

कुछ दिनों के बाद, कुछ रोटियां उठाई लगभग दो, और दो या तीन टुकड़े मछली के, और पकी हुई मछली से पांच हज़ार लोगों को खिला दिया!

84 क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि कलवरी पर खड़े हुए, वह स्वर्ग और पृथ्वी के मध्य लटक रहा है, और चिल्ला रहा है, "मैं प्यासा हूं, मैं प्यासा हूं"; और यहां तक कि पानी को दाखरस में बदल दिया था! वह जल को—को रचने वाला, वहां खड़ा पानी के लिए चिल्ला रहा है!

85 वह हमारे लिए पाप बन गया, ताकी हम, उसकी निर्धनता—निर्धनता में धनवान बना दे। वह, अपनी मृत्यु में, वह एक पापी के समान मरा; ताकि हम अपनी मृत्यु में परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां मरे।

86 मैं सोचता हूं मृत्यु–मृत्यु में कितना अंतर है। यहां वे पुराने पिता हायेस यहां पर, जब वह मर रहे थे, तो उन्होंने अपने बालकों को अपने पलंग के पास बुलाया। और वहां, वह अर्ध चेतना में दो या तीन दिन से था। उसकी एक कहावत थी, "प्रिय, धन्य है मेरा प्राण!" वह... उसने अपने बालकों को अपने पलंग के पास बुलाया। लंबी, सफ़ेद, लहराती हुई दाढ़ी; उसने कहा, "प्रिय, धन्य है मेरा प्राण! तुम लोगों ने सोचा कि पिता हाय मर गया था।" उसने कहा, "मैं कभी नहीं मरूंगा। क्योंकि यीशु जीवित है, मैं भी जीवित हूं।" और वहां उसने अपने प्रत्येक बालक को आशीष दी।

87 कहां, "मेरे हाथों को उठा दो।" वह अपने हाथ ऊपर नहीं रख सकता था। और उसका एक लड़का एक ओर आया, उसके *इस* हाथ को उठाया, दूसरे ने *दूसरे* हाथ को उठाया। वह गाने लगा। जैसे ही उसकी आंखें स्वर्ग की ओर देखने लगी, उसने कहा, "प्रसन्नता का दिन, प्रसन्नता का दिन, जब से यीशु ने मेरे पाप धोये है! उसने मुझे सिखाया कि—कि कैसे प्रार्थना करें और हर दिन आनंद का जीवन व्यतीत करें।" और अपनी आंखें बंद कर ली, और परमेश्वर से मिलने को चला गया। मैं भी इसी प्रकार से जाना चाहता हूं। इसी प्रकार से। मुझे यीशु मसीह में मर जाने दो।

88 तब जब उसके चेलों ने यह देखा, तो सारी निराशाये और सब कुछ, जो—जो—जो लगता था, उन पर था उन्हें नीचे ला दिया। वे वापस जाने लगे कि मछली पकड़े। एक वापस अपने कार्य पर चला गया, और दूसरा *उधर* चला गया।

89 अब, इस प्रातः हम कब्र पर आरंभ करना चाहते है। तब उसके पुनरुत्थान के पश्चात, मरियम, मार्था, और मरियम—मरियम मगदलीनी,

यीशु की माता मरियम... यह भोर निकलते ही। उन्होंने सब्त के दिन, उसकी देह को, उसे भूमि पर रखा, जो कि वहां एक रीति थी वे सब्त के दिन कुछ नहीं करते थे। तो वह शुक्रवार के दोपहर बाद मरा था तीन बजे, और रविवार पौ फटते ही जी उठा था।

90 अब आज प्रातः जब आप लोग इस प्रभात: सेवा में है, तो मैं इस प्रश्न को तय कर देना चाहता हूं। बहुत से लोग कहते है, "तो फिर यह कैसे हुआ कि उसने कहा मैं दे दूंगा... वह तो कब्र में था, तीन दिन और रात? " उसने कभी नहीं कहा कि वह यह करेगा।

91 उसने कहा, "इन तीन दिनों में मैं अपनी देह को जिला उठाऊंगा।" समझे? अब, कारण कि उसने यह किया, क्योंकि दाऊद ने पवित्र शास्त्र में एक स्थान पर कहा, "कि मैं उसका प्राण अधोलोक में नहीं छोडूंगा, ना ही मैं अपने पवित्र जन को सड़ने दूंगा।" और वह जानता था कि मानव देह में सड़हाट बहत्तर घंटे के बाद आरम्भ होती है, तीन दिन और रात। और उन तीन दिन रात में किसी समय, परमेश्वर उसे जीवित करने जा रहा है। इसलिए वह शुक्रवार दोपहर पश्चात तीन बजे मरा, रविवार प्रातः जी उठा।

92 अब यहां हम एक छोटा सा नाटक ले और एक घड़ी रूक कर ध्यान दें। मैं उसे, एक लंबी रात्रि में देख सकता हूं। बेचारी बूढी मरियम, माँ, उसका ह्रदय टूट गया था। वह भविष्यवक्तनी हन्ना ने उसे बताया था कि वह दु:ख से छिद जाएगी, ताकि बहुतों के विचार प्रगट हो। कैसे उसकी देह पीड़ित होगी, और उसका अपना प्रिय पुत्र क्रूस पर लटक रहा है, और कलीसिया के लिए कितनी लज्जा की बात है। परंतु फिर भी, उसके ह्रदय, जो कि मां का प्रेम उमड़ आया; वहां... कोई मतलब नहीं कि उसने क्या किया कि, कितनी लज्जा की बात है। वह फांसी के दंड से मरा, जैसे आज एक— एक अपराधी बाहर जाता हो कि, लटकाया जाए, या बिजली से मारा जाए, या ऐसा कुछ। वह इस प्रकार से मरा, उस लज्जा और कलंक में। देखिए परमेश्वर ने पाप को कैसा दण्ड दिया? और तब वह कैसे रोई, सम्भवत: सारी रात! और वह और...

93 मरियम मगदलीनी, वह उसकी सामर्थ को जानती थी। वह और लोगों से कैसे भिन्न है उसमें कुछ है वह उसे जानती थी। उसमें सात दृष्ट आत्माये थी जो उसमें से निकाली गई थी।

94 हर कोई जो भी कभी यीशु मसीह की सामर्थ के द्वारा, स्वतंत्र हुआ है, वे जानते हैं, कि वे कहां पर खड़े हुए है। कभी भी कोई नहीं आ सकता, और उसकी महान दिव्य उपस्थिति में, और फिर वह कभी भी वैसा ही बना रहा हो। आप—आप बदल गए हैं। आपको कुछ हुआ है। ओह, अलग खड़े हो सकते हैं, और मनोविज्ञान, और *यह* कल्पना, और *यह* स्वीकार करना, विशेष बात, और कुछ परिकल्पनायें, या कुछ और ऐसा ही। परंतु हम धर्म विज्ञान में विश्वास नहीं करते। हम यीशु मसीह की पुनरुत्थान की सामर्थ में विश्वास करते हैं। और जब आप उसकी उपस्थिति में आते हैं, तो कुछ ऐसा है जो आपके जीवन में घटित हुआ है, जिसने आपको बदल दिया। और आप फिर वैसे नहीं रहे, एक मनुष्य जो कभी मसीह की उपस्थिति में आया।

95 इसलिए उसमें से सात प्रेत आत्माएं निकाली जो उसमें थी। घमंड और जलन, और उसने सोचा कि वह इतनी सुंदर थी कि उसके समान कोई नहीं था। परंतु जब यीशु ने बोला और कहा, "तू शुद्ध हो जा," सब उसमें मे से चला गया। वह एक नई व्यक्ति बन गयी। फिर वह, अपनी दृष्टि में उतनी सुंदर नहीं रही। परंतु उसने स्वयं को नम्रता के वस्त्र में लपेट लिया और सज्जनता के, और स्वामी का अनुकरण किया। उसने उससे प्रेम किया।

तब ईस्टर की प्रात: मैं उसे देख सकता हूं।

96 उसके चेले वहां मछली की नाव खींच रहे थे; उनमें से कुछ। कुछ घर को जा रहे थे। कुछ अलग–अलग मार्गों पर जा रहे थे; अपने कामों पर वापस जा रहे थे।

97 और तब बहुत ही प्रातः, मैं मरियम माँ को देख सकता हूं, और मरियम मगदलीनी, पहाड़ की, ओर उस कब्र पर जा रही थी। उनके पास कुछ मसाले आदि थे। वे उसकी देह पर मलना चाहते थे और उसे अलग रखना चाहते थे।

98 और इसलिए, वे पहाड़ पर गई, मैं कल्पना में दूसरा दृश्य देख सकता हूं। आइए हम इस ओर देखें।

99 वहां पर मैं सिपाहियों के झुंड को खड़ा हुआ देख सकता हूं। वे सारी रात ताश खेल रहे थे, या—या पासा मार रहे थे, या अपने उस—उस—उस पासे से जमीन पर खेल रहे थे। और वे समय बिता रहे थे। उनमें से

कुछ कहते हैं, "कहते है, क्या तुम्हें वह धोखेबाज की याद है? उसने कहा था कि 'तीन दिन में' वह जी उठने वाला है। इसलिए अब जरा हम देखें। चलो कब्र पर चले।"

100 और मैं उन्हें वहां जाते हुए देख सकता हूं, और अपनी छाती ठोकते है, और अपने बड़े–बड़े शास्त्रों को *इस* प्रकार से उछालते हैं और रोमी तलवार; कहते हैं, "हम देखेंगे वह क्या कर सकता है!" क्योंकि, कब्र मोहर बंद थी, एक रोमी मोहर; उस पर हाथ जो इस मोहर को तोड़ दे। एक पत्थर वहां रखा था, जिसे सैकड़ों पुरुषों ने; सौ पुरुषों ने उसे वहां लुढ़काया था, उन्होंने एक बड़ा पत्थर उस कब्र के सामने लुढ़काया था। कहां, "वहां भीतर बहुत सुरक्षित है!" और उनका एक महान समय था।

101 होते–होते यह लगभग पौ फटने वाली थी, जैसे कि मरियम... जैसे कि वे पहाड़ पर आ रही थी। और वहां वे दो साधारण महिलाये भोर होते, संभव है, अपने हाथ एक–दूसरे पर डाले हुए, चलती जा रही है। ओह! ओह, मैं लगभग इसे देख सकता हूं कि, कैसे पहाड़ के साथ–साथ चलती जा रही है। और मैं माँ मरियम को सुन सकता हूं, मरियम मगदलीनी से कहती है, "कि, उस पत्थर को हमारे लिए कौन उठाएगा? क्या होगा... ? हम यह कैसे करेंगे? "

102 मैं सुनता हूं, मरियम उत्तर देती है, "परमेश्वर इसकी चिन्ता कर लेगा।"

103 यह विशेष बात है। कोई मतलब नहीं... लोग कहते है, "*यह* या *वह* कैसे करूंगा? " परमेश्वर इसकी चिंता करेगा। बस आप आगे बढ़ते जाएं। बाकी सब की परमेश्वर चिंता कर लेगा।

104 तब, अचानक से हम देखते है, कि सारे तारे ओझल होने लगते हैं। और पहली बात आप जानते हैं कि केवल एक सितारा बचा है, और वह बड़ा सामने भोर का तारा चमक रहा है।

105 मैं ध्यान दे सकता हूं कि कैसे सब कुछ, और सिपाही हंस रहे हैं और उपहास उड़ा रहे हैं। कहते है, "अब, आप देखिए, यह दिन का उजियाला। अभी तक कुछ नहीं हुआ।" और उनका चल रहा था, कहा, "देखा वह केवल एक धोखेबाज था। वह आजकल के बहुत से धोखे बाजो के समान था, जो इन दिनों में जी उठा, और उन दिनों, और इन बातों को किया, परंतु तब... या ये दावे कर रहे थे।"

106 परंतु फिर, एकदम से, मैं कल्पना कर सकता हूं कि सारी छोटी–छोटी चिड़ियाये, रॉबिन ने गाना बंद कर दिया। चिड़िया ने गाना बंद कर दिया। कवि ने कहा कि, "कि उसकी आवाज इतनी मीठी थी कि यहां तक कि चिडियों ने अपना गाना बन्द कर दिया।" कुछ घटित होने जा रहा था।

107 मैं देख सकता हूं कि महान भोर का तारा अपने स्थान पर है, जो कि समय के आरंभ से वहां पर लटका हुआ है, उसने चलना आरंभ कर दिया। मैं देख सकता हूं कि उसने एक चक्कर मारा। मरियम, और वे, इसे देख रहे थे। कि यह क्या हो रहा है? यह एक स्वर्ग दूत है, और यह कब्र की चारो ओर देख रहा है जहां उन्होंने उसे रखा था। पवित्र लेख पूरा होने को था।

108 भाई, बहन, जब कभी परमेश्वर का वचन पूरा होने को होता है, तो आप चिंता ना करो, तो यह ठीक वहां पर होगा।

109 मैं देख सकता हूं कि सितारा अपनी यात्रा पर, चारों ओर घूम रहा था। मैं देख सकता हूं कि रोमी वहां खड़े हुए हैं, सैकड़ों, उनमें मजबूत, अपनी तलवारों को निकाले हुए, कह रहे है, "अब हम देखेंगे कि क्या घटित होता है!"

110 और अचानक से, यह आग का बड़ा गोला स्वर्ग से उड़ता हुआ आया, और आकर कब्र के पास खड़ा हो गया। और यह परमेश्वर का बली स्वर्ग दूत बन गया जो वहां खड़ा था। सिपाही मूर्छित हो गए और मरे हुओ के समान भूमि पर गिर पड़े। केवल उसके हाथ के हल्के स्पर्श से, उसने उस पत्थर को जो वहां रखा था, पीछे लुढ़का दिया; रोमी मोहर को तोड़ दिया।

111 उसके लिए रोमी मोहर क्या अर्थ रखती थी? संयुक्त राज्य की मोहर से अधिक नहीं, या कोई भी चीज था, किसी कलीसिया की मोहर या कुछ। और परमेश्वर को जीवित रहना ही है। उसे बाहर आना ही है। वह मृतकों के बीच नहीं रह सकता।

112 इस प्रकार से उसने पत्थर पीछे हटाया, और इसे पीछे लुढ़का दिया। और वह वहां खड़ा हो गया। अब कौन जयवंत हो रहा है? और सिपाही अपनी–अपनी ढालो को पकड़े और–और चीजों के साथ, उस बाग में से इतनी तेज भाग रहे थे, जितना वे भाग सकते थे, पहाड़ के नीचे चले गए और उनके सामान खड़खड़ा रहे थे, और लोहा जो उन्होंने पहन रखा था उनकी ढाले और सारी चीजें।

वह वहां, अकेला खड़ा था। कुछ समय बाद, मरियम ने कहा...

113 जब यह घटना हुई तो एक बड़ा भूडोल हुआ, जिसने उस भोर को पृथ्वी को हिला दिया। या कोई कहता है, "आश्चर्य यदि कहीं कुछ हुआ। वहाँ एक... कही एक—एक धमाका हुआ, बिजली का, या पृथ्वी पर कुछ हुआ।" परंतु, यह यीशु था, जो मरे हुओं में से जी उठा।

114 तब जब मरियम और मार्था कब्र पर पहुंची, तो उन्होंने स्वर्ग दूत को वहां खड़े हुए देखा। उसने कहा, "जाकर उसके चेलों को बताओ कि वह उनसे पहले गलील को जाता है, और वहां वह उनसे भेंट करेगा। देखो, मैंने तुम्हें बता दिया है। अब जल्द ही जाओ, और जाकर उन चेलो को बताओ कि जैसा उसने कहा था कि वह उनसे मिलेगा।"

115 ओह, जब मैं यह सोचता हूं! "कि वह जो मेरे वचन सुनता और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा उसके पास अनंत जीवन है, और मैं अंतिम दिनों में उसे जिला उठा खड़ा करूंगा।"

116 "देखो, मैंने तुमसे कह दिया।" उसके दूतो ने संसार में यह फैला दिया है, कि "जो मनुष्य स्वयं का इन्कार करें, और अपना क्रूस उठाएं और उसके पीछे चले, तो वह तुमसे पुनरुत्थान पर मिलेगा।" इससे क्या होता है यदि हम कब्र पर फूल बरसाए, यदि हम कहे "राख, मिट्टी को मिट्टी"? वह देह उतनी ही निश्चितता के साथ कब्र से उठेगी जितनी निश्चितता के साथ परमेश्वर स्वर्ग में है। "देखो, मैंने तुम से कह दिया।"

117 हम ध्यान दें। अब यहां उसके दो शिष्य जाते है। वे अपने मार्ग पर है।

118 और उनमें से कुछ मछली पकड़ने चले गये। और इसलिए यीशु किनारे पर खड़ा हुआ है, और उसने देखा, और उन्हें वहां पर देखा। और उसने कहा, "बालकों, क्या तुम्हारे पास रोटी है? "

119 पहली बात जो उसने उनसे कही, "अपने जाल दूसरी ओर डालो।" उन्होंने सारी रात मछली पकड़ी, कुछ हाथ नहीं आया। यह इसी प्रकार से है; आप नाव की गलत ओर मछली पकड़ रहे है। इसलिए यीशु ने कहा, "अपने जाल दूसरी ओर डालो।"

120 और जब उन्होंने अपने जाल दूसरी ओर डालें, और भरा हुआ जाल खींचा, वहां इतनी मछलियाँ थी कि उनके जाल फटने पर हो गए।

121 और पतरस ने चारों ओर देखकर, कहा, "केवल एक ही मनुष्य है जो यह कर सकता था।" उसने घूम कर किनारे की ओर देखा और वह वहां खड़ा था; उनके लिए रोटी और मछली आग पर थी। पतरस प्रतीक्षा ना कर सका कि नाव किनारे पर लगे। वह पानी में कूद गया, और उससे मिलने को चला गया। उसे जल्दी थी।

122 ओह, मैं चाहता हूं कि आज संसार का हर पापी इस प्रकार का होगा। पतरस ने उसका इन्कार किया। वह गया और जार–जार रोया। उसने प्रार्थना की। वह यीशु से मिलना चाहता था। वह वहां पहुंचना चाहता था ताकि वह उसके चरणों पर गिरे।

123 वहां एक जोड़ा था जिनमें से एक का नाम क्लियोपास था, और आदि–आदि। वे आमाऊस के मार्ग पर थे। और वे टूटे, और दु:खी हृदय के साथ जा रहे थे। और वे इस विषय में बातें करते हुए जा रहे थे, यह कितना बुरा हुआ। और अचानक से, कोई झाड़ी में से बाहर आया; एक साधारण मनुष्य, अपने गोल कॉलर के साथ नहीं, या कोई भिन्न वेशभूषा।

124 वह एक साधारण पुरुष जैसे कपड़े पहने हुए था। उसके बाल और दाढ़ी बाकी लोगों के समान थी। वह... वह कोई भिन्न नहीं था। उसने कोई भिन्नता नहीं दिखाई। उसके जीवन ने सिद्ध किया, कि उसका प्रमाण पत्र क्या था, वह क्या था। और यहीं परमेश्वर हमारे जीवन से चाहता है; हमारा जीवन हमारा प्रमाण पत्र हो। यह ठीक बात है।

125 और फिर वह साथ–साथ चलने लगा। उसने कहा, "भाइयों, तुम लोग इतने दु:खी क्यों हो? और क्यों तुम लोग यह वार्तालाप कर रहे हो? " ओह, मुझे यह पसंद है!

126 "क्यों," उन्होंने कहा, "क्या तू यहां पर एक परदेसी है, श्रीमान? क्यों," उसने कहा, "सारा राष्ट्र दुखित है। और हम यहां," उसने कहा, "हम अपने मार्ग पर हैं, वापस अपने घर जा रहे है।" उसने कहा, "क्यों, यीशु नासरी भविष्यव्यक्ता, हमने निश्चय ही सोचा था, कि जब वह आएगा, तो वह इस इस्राएल का राजा होगा। और अब वह मर गया, और उन्होंने उसे गाड़ दिया। उन्होंने उसके हृदय पर भाला मारा। और उन्होंने उसे छोड़ दिया।" और कहा, "इस घटना को होकर आज तीसरा दिन है, उसे मरे हुए।" और कहा कि, "कुछ स्त्रियां कब्र पर गयी थी और—और उन्होंने स्वर्ग दूतों का दर्शन पाया, और वापस आकर कहा कि वह जीवित है।

परंतु," कहा, "ओह, परंतु हम इस वृतांत का विश्वास नहीं कर सके। हम जा रहे है।"

127 इसलिए चलते–चलते, उसने कहा, "मूर्खों, और समझ में मंदमतियो, क्या तुम भविष्यवक्ताओं ने जो मसीह के संबंध में कहा उसका विश्वास नहीं करते कि उसे कितना दु:ख उठाना होगा, और तीसरे दिन फिर जी उठेगा। तुम कितने मंदमती हो!"

128 देखिए इतना सुंदर है! ओह प्रभु! इसे देखिए, मसीह दुखियों के और टूटे ह्रदयो के बीच में! वह वही जाता है, उन दुखियों और टूटे ह्रदयो के बीच में।

129 वे ऐसी अंधकार के समय चले जा रहे थे जो उन्होंने कभी देखा। उनकी सारी आशाये जाती रही। उन्हें कलीसिया आराधनालय से बाहर निकाला जा चुका था, क्योंकि उन्होंने उस पर विश्वास किया था। और अब वह, जिस पर उन्होंने विश्वास किया था, मर गया था। और कुछ स्त्रियां एक छोटे से वृतांत के साथ आई किसी दर्शन के विषय उन्होंने किसी स्वर्गदूत को देखा था, "जाकर उसके चेलों से कहो कि उससे गलील में मिले।" परंतु, ओह, वह... वे विश्वास ना कर सके। उनके ह्रदय टूटे हुए थे दु:खी थे, और रो रहे थे। और वहां प्यारा यीशु प्रगट हुआ, उन टूटे ह्रदयो के बीच में।

130 दूसरी बात, यह पहले ईस्टर कि प्रात: थी। यीशु, सारे जीवन का पुनरुत्थान वसंत के समय में जीवित था, चिड़ियों की आवाज के बीच में, नए–नए फूलों के खिलने के बीच में। यीशु वसंत के समय में जीवित हो उठा, और वो—वो पुनरुत्थान में भी आ रहा था।

131 कैसे वह उनके साथ–साथ चला, और उन लोगों से बातें करने लगा, उन्हें बता रहा था। कहा, "अब, तुम्हें, जो भविष्यवक्ताओं ने कहा उसका विश्वास करना चाहिए। अब जो पवित्र शास्त्र में मसीह के विषय में लिखा है, उसका तुम्हें विश्वास करना चाहिए; कि उसे कैसे दु:ख उठाना है और तीसरे दिन जी उठना है, और आदि–आदि।" उनके ह्रदय बहुत ही टूटे हुए थे।

132 कुछ समय बाद, जब उसने बोलना आरम्भ किया, तो यह व्यक्ति उन दूसरे लोगों से कुछ भिन्न था। यह कोई साधारण व्यक्ति नहीं था। इसमें कुछ अलग से गहरी ईमानदारी प्रतीत होती है। इसमें कुछ था जिसका कुछ अर्थ था, और उसने पवित्र शास्त्र के विषय में समझाना आरंभ किया। वह पवित्र

वचन का शिक्षक था; कि भविष्यवक्ताओं ने कैसे–कैसे कहा है कि मसीह मरेगा, और तीसरे दिन जी उठेगा। उनके ह्रदय कैसे उनके भीतर उत्तेजित होने लगे! कुछ हो रहा था।

133 और दिन में बातें करते–करते, उनकी यात्रा हुई। अब वे लगभग कुछ फलार्ग लगभग आधा, या एक मील, यरूशलेम से, थे, जहां वे जा रहे थे। धीरे–धीरे चल रहे थे, ठीक जीवित हो उठे मसीह के संग और यह नहीं जान सके।

134 कितनी बार वह आपके साथ कुर्सी पर बैठा! कितनी बार वह परीक्षाओं की घड़ी में आपके साथ खड़ा हुआ और संकट में, और आप उसे पहचान नहीं सके! कितनी बार वह आपके साथ स्टेरिंग पर था जब आप दुर्घटनाओं में मरने ही वाले थे, और वह दुर्घटना को टाल दिया था ऐसा कुछ और आप उसे पहचान ना सके कि यह वह था! कैसे जब आपका बर्तन खाली हो गया वह आपके साथ था, और तेल की कुप्पी सूखी और बालकों के लिए कुछ नहीं था; कैसे उस मनुष्य ने आकर दरवाजे पर खाने पीने की वस्तुओं का प्रबंध किया, यह जो भी था! वह मसीह था। वह आज जीवित है। वह मरा हुआ नहीं, परंतु वह जीवित है।

135 कुछ प्रातः पहले मैं एक लूईसवेल के एक योग्य डॉक्टर के पास खड़ा हुआ था। वह... मैं वहां अफ्रीका से लौटने के बाद आया था। वे अमीबा के लिए मेरा परीक्षण कर रहे थे। उसने कहा, "आदरणीय ब्रंहम," कहा, "और आप विश्वास करते हैं कि यह मूर्खता... ? "

मैंने कहा, "हां, श्रीमान।"

136 और उसने कहा, "मुझे बताने का आपका अर्थ यह है कि वह मनुष्य मृतको में से जी उठा? "

मैंने कहा, "हाँ, श्रीमान, मैं इसका विश्वास करता हूं।"

137 और उसने कहा, "आप कैसे सिद्ध कर सकते हैं कि वह मृतकों में से जी उठा? "

मैंने कहा, "मैं सिद्ध कर सकता हूं कि वह जीवित हो उठा मसीह है।"

"वह कैसे हो सकता है? "

138 मैंने कहा, "वह मेरे ह्रदय में रहता है। इस प्रकार से मैं जानता हूं कि वह जीवित हो गया है। *यहां,* उसने मुझे पापी से एक मसीही बना दिया। उसने

मेरा स्वभाव बदल दिया। उसने मेरी मनो स्थिति बदल दी। वह सब जो मुझ में था उसने बदल दिया। उसने मुझे एक नई सृष्टी बना दिया। इसलिए मैं व्यक्तिगत रीति से जानता हूं, कि वह मृतकों में से जो उठा है।"

उसने कहा, "मैं विश्वास करता हूं कि वह मर गया।"

139 मैंने—मैंने कहा, "मैं भी करता हूं। परंतु, वह मर गया। जी हां, इससे अधिक यह है, कि वह मृतकों में से जी उठा।"

140 और आज वह हमारे ह्रदयो के भीतर रहता है। इसलिए हम क्यों आनंदित और गाना गा सकते है। इसी कारण हम उस पर ध्यान दे सकते है। यहां अधिक समय नहीं हुआ कि, यीशु मसीह, परमेश्वर के पुत्र ने मेरे अपने जीवन में एक महान आश्चर्य कर्म किया है। उसने आपके लिए आश्चर्य कर्म किया है। वह प्रतिदिन आपके साथ चलता है। वह हर विश्वासी के साथ चलता है। "देखो, मैं सदा तुम्हारे संग हूं, जगत के अंत तक।" कोई मतलब नहीं क्या होता है, मसीह अब भी जीवित है और आज मनुष्य के ह्रदय में वास करता है।

141 इसी कारण, जैसे कि कहानी ने कहा; तुम प्रतिदिन प्रातः ध्यान दो, हम शिकायती भाव में उठते है, और बाहर निकल जाते है, और, "मैं लगभग आधा–आधा नींद में था," और आदि–आदि। कोई आश्चर्य नहीं हमें उच्च रक्तचाप है, और मधुमेह और सारी चीजें।

142 छोटी रॉबिन को देखिए। पहली बात वह प्रति भोर उठेगी, और अपना मुख आकाशो की ओर करेगी और ऊंची आवाज से गा रही है। आपने उनमें से किसी को उच्च रक्तचाप में नहीं देखा होगा, बैसाखीयो पर चलते हुए मधुमेह के साथ।

143 कहा, एक छोटे रॉबिन ने एक बार, कहा, "अच्छा, आश्चर्य क्या बात है," कहां, "ये लोग, ये बातें, और ये जीवधारी, जो स्वयं को मनुष्य कहते हैं? " कहा, "क्यों, ये लोग इतने उदास है। संभव है उनके पास हमारे समान स्वर्गीय पिता नहीं है, जो हमारी चिंता करता है।"

144 एक रात्रि, यहां मिलटाऊन बैपटिस्ट गिर्जे में सभा कर रहे थे, जब मैं वहां पर एक सेवक था। मैं अपने पुराने मित्र के साथ, रात्रि में ठहरने के लिए आ रहा था। और मैं देखा करता था, जब मैं वहां से निकलता था, तो वहां एक बुलबुल देवदार के झाड़ में बैठती थी। सारी रात्रि वह अपनी ऊंची आवाज से गाया करती थी, जितनी जोर से वह गा सकती थी। मैं कितनी

भली प्रकार से समझ सकता था जब दिन होता है तो चिड़ियाये क्यों गाती है। मैं कल्पना कर सकता हूं कि सूर्य का उजियाला उन पर पड़ता है और वे गाती है। परंतु ये बुलबुल क्यों गाती है?

145 इसलिए मेरे पास एक पुस्तक थी मैं उसमें से बुलबुल के विषय में पढ़ने लगा। मैंने यह पाया कि जब वह आकाश को देखती है तो वह गाती है, और आकाश को देख सकती है। और हर बार बादल पीछे की ओर उड़ते हैं और एक सितारे को देखती है, ज्योति की एक किरण, वह अपनी ऊंची आवाज से चिल्लाने और गाने लगती है। क्यों? क्योंकि वह जानती है कि कहीं सूर्य चमक रहा है। वह पृथ्वी से फिर बोलने लगती है कि कहीं सूर्य चमक रहा है।

146 और भाई, बहनों जब तक मेरे हृदय के अंदर पीड़ा होती रहती है, दु:ख के काले बादल निकलते है, और परीक्षा और परेशानियां, यदि मैं यह अनुभव कर सकता हूं कि एक बार पवित्र आत्मा मेरी ओर आता है, और मुझे आशीषित करता है तो, मैं जानता हूं कि परमेश्वर की सामर्थ अब भी कहीं जीवित है और राज्य करती है। यह ठीक बात है।

147 यदि मैं उस भोर के तारे से पूछ सकता होता कि, "कौन तुझे वहां चमकाता है? तू क्यों चमक रहा है? "

148 तो वह कहता, "यह मैं नहीं चमक रहा हूं, भाई ब्रंहम," यदि वह तारा बोल सकता होता। "यह तो केवल सूर्य मुझ पर चमक रहा है, जो मुझे चमकता है।"

149 और यही प्रत्येक मनुष्य के साथ है जो यीशु मसीह में विश्वासी है, जो उसमें छिपा हुआ है। यह आप नहीं चमक रहे है, यह पवित्र आत्मा आप पर चमक रहा है, जो आपको यह आशा देता है और पुनरुत्थान का यह आनंद।

150 यहां पर बोलते हुए मैं उस पुराने सोते के लिए जिससे मैं पिया करता था। मैं यहां कहता हूं यह मिलटाऊन के आसपास उमड़ता था और उछलता और उछलता और उछलता था। मुझे आश्चर्य हुआ करता था यह सोता क्यों उछलता था, इसलिए एक दिन, मैं वहां बैठ गया और उससे बातें करने लगा। कल्पना कीजिए एक मनुष्य सोते से बात कर रहा है? परंतु मैं प्रकृति से बातें कर रहा था जिसने सोता बनाया। और मुझे आश्चर्य हुआ, "किस ने तुझे इतना उमड़ने वाला, उतना उछलने वाला बनाया? इसलिए क्योंकि

वे—वे बालक यहां आकर तुझ में से पीते हैं, या मैं तुझ में से पीता हूं या ऐसा ही कुछ? ”

151 यदि सोता उत्तर दे सकता होता, तो वह कहता, “नहीं, बिली, यह इसलिए नहीं क्योंकि तुम मुझ में से पीते हो। इसलिए नही क्योंकि कोई भी मुझ में से पीता है। यह तो मेरे नीचे कुछ है, जो मुझे धकेलता और उमड़ता और उछालता है, और इस प्रकार चलता रहता है।”

152 इसी प्रकार से हर पुरुष या महिला है जो परमेश्वर के आत्मा से जन्मा है। यह आप नहीं है। यह मानव भावुकता नहीं है। यह पुनरुत्थान के कारण है, या परमेश्वर की सामर्थ, उस मनुष्य के जीवन में है, और अनंत जीवन के लिए जोर लगाती है, अनंत जीवन में बढ़ रहा है। यहाँ कुछ है! यदि आपके पास है तो आप शांत नहीं रह सकते। आप में कुछ है।

153 जब यीशु यरूशलेम में चलता हुआ आया, और उन्होंने खजूर काटे और चीखने चिल्लाने लगे और इस प्रकार से चिल्लाने लगे। उनमें से कुछ घमंडी फरीसियो ने कहा, “इन्हें शांत करो। क्यों, वे हमारी कपंकपी छुड़वा रहे है। ओह, ये लोग कैसे चिल्ला और शोर मचा रहे है!”

154 उसने कहा, “यदि ये शांत हो गए, तो तुरंत पत्थर चिल्ला उठेंगे।” कुछ तो होना ही है। जब जीवन मृत्यु के बीच में आता है, तो वहां पुनरुत्थान है; होना ही है।

155 और जब जीवन जो यीशु मसीह में है कब्र में आता है जहां हमारे प्रिय सो रहे है, तो वहां पुनरुत्थान होगा। जीवन और मृत्यु एक साथ नहीं रह सकते जैसे अंधकार और दिन का उजियाला नहीं रह सकते। जैसे ही अंधकार...

156 जैसे ही दिन का उजियाला आता है, तो वह अंधकार को भगा देता है। दिन के उजियाले को चमकना हीं है। कोई मतलब नहीं क्या घटित होता है, जब यह संसार सूर्य के सामने घूमता है, तो दिन के उजियाले को आना ही होता है, होना ही है।

157 और जैसे की अनन्तता, जैसे कि यह परमेश्वर के पुत्र के आने के समय को खींच रही है, तो यहां संसार में पुनरुत्थान होगा। और वे सब जो परमेश्वर में सोए है, मसीह उन्हें अपने साथ अपने पुनरुत्थान में ले आएगा। यह होगा ही। इसे छोड़ और कुछ नहीं है। आपको यह लेना ही है। और जब तक यह *यहां* ना हो तो आप इसे कैसे ले सकते हैं?

158 कुछ समय पहले, मैं गैरी इंडियाना में खड़ा हुआ था, जहां वे मुझे बड़े स्पात के कारखाने में ले गए थे। और मैं बहुत ही उत्तेजित था, जब मैं देख रहा था। जब एक कार्यवाहक मुझे ऊपर ले गया और वह मुझे चारों ओर दिखा रहा था। और उसने कहा... मैं लोगों को देख रहा था।

जाने के पांच मिनट पहले एक सीटी बजी। मैंने देखा, हर व्यक्ति अपना कपड़ा उतार कर अपनी मशीन पर रख रहा था। और अपनी खराद की मशीन के आसपास से सफाई करके चीजों को गलियारे में डाल रहा था, जिन चीजों को उस सामग्री से एकत्र किया गया था वे कार्य कर रहे थे उनकी छीलन। और सब कुछ झाड़ कर गली में कर रहे थे। और उसने कहा, "आदरणीय ब्रंहम मैं आपको कुछ दिखाऊंगा।"

मैंने कहा, "ठीक है।"

159 तब वह एक छोटे से स्थान पर वापस आ गया। और जब विशेष सीटी बजी, तो सारे लोग बाहर आ गए। उस इमारत में से हर कोई निकल गया; और केवल हम ही खड़े रह गए। और उसने एक बटन दबाया। और पीछे की ओर चला गया, और मैंने किसी चीज को गरजते हुए सुना, और शोर हुआ, और "बर्र" नीचे आ रहा था, "मैंने सोचा क्या है? "

160 कुछ देर बाद, उसने कहा, "अब आप एक ओर खड़े हो जाए।" मैं एक और खड़ा हो गया।

161 मैंने देखा एक ट्रक वहां आ रहा था। और जब हम वह आ गया, तो इधर एक बड़ा चुंबक वहां से आ रहा था। और जैसे ही वह चुम्बक उस स्थान से होकर निकला, तो मैं देखने लगा कि वे लोहे की छीलने, इस प्रकार से, उड़कर उससे चिपक गई। वे धातु की छीलन मैंने ध्यान दिया उनमें से कुछ ऊपर नहीं उठी। और मैंने ध्यान दिया लोहे के बहुत से टुकड़े ऊपर नहीं उठे। और वह चुंबक वापस वहां भट्टी पर चला गया–... और सब चीजों को भट्टी में गिरा दिया, और वह पिघला कर और फिर से तैयार की गई।

162 और मैंने कहा, "अच्छा, सब कुछ क्यों नहीं उठा? " मैंने कहा, "मैं कुछ ही छीलनो को देखता हूं।"

163 उसने कहा, "आदरणीय ब्रंहम, हम यहां कुछ एल्युमिनियम के पुर्जे बनाते है।" उसने कहा, "और वे एल्युमीनियम के टुकड़े चुंबकीय नहीं हुए उस चुम्बक के।"

मैंने कहा, "प्रभु की महिमा हो!" और—और मैंने कहा...

उसने कहा, "आपके साथ क्या मामला है? "

164 मैंने कहा, "मैं बस सोच रहा था।" इसलिए मैंने कहा, "और दूसरे लोहे के टुकड़े क्यों—क्यों ऊपर नहीं गए? "

165 कहा, "यदि आप ध्यान दे तो, वे नीचे नट से कसे हुए है। वे ऊपर नहीं उठ सकते।"

मैंने कहा, "परमेश्वर की महिमा हो! हाल्लेलुय्या!"

उसने कहा, "आदरणीय ब्रंहम क्या बात है? "

मैंने कहा, "मैं बस सोच रहा था।"

उसने कहा, "आप सोच ही रहे होंगे।"

166 मैंने कहा, "भाई, वहां कही पीछे उस अनन्तता में, हाल्लेलुय्या, वहां एक महान चुंबक है। परमेश्वर का पुत्र इन्ही किसी सुबह में आने वाला है। वह चुम्बक के समान इस पृथ्वी पर छा जाने वाला है। और प्रत्येक प्राण जो उससे चुम्बकिय है वह ऊपर उठकर उससे हवा में मिलेगा, और वहां पुनरुत्थान होगा, कि उसके साथ रहे वहां उठा लिए जायेंगे। और ये पुरानी देहे जिन में हम अब रह रहे हैं, या जो अब हमारे पास है जो कि बूढ़ा हो रहा है, और लटकता, और गिरता जा रहा है; धूल की भट्टी में गिरा दिया जाएगा, और ढाला गया, और उसकी महिमा युक्त देह के समान बन जाएगा, उस अंतिम पुनरुत्थान में, जब वह फिर से आता है।"

167 और मैंने कहा, "अच्छा, अब यहां देखिए, कि बहुत से लोग हैं जो चुंबकीय नहीं हुए। बहुत से लोग हैं जो कि वातावरण से बंधे हुए हैं, कहते है, 'मैं यह नहीं कर सकता। मैं यह नहीं कर सकता। यह बहुत ही मूल्य का है।'"

168 भाई, सिवाये यह कि ह्रदय बदले, और वह प्राण सामने स्थिर रहे और पवित्र आत्मा के द्वारा परमेश्वर से चुंबकीय हो जाये, जब यीशु आता है, तो आप इस पृथ्वी अकेले छूट जाएंगे। स्मरण रखे, इन्हीं किन्हीं प्रातः एक पुनरुत्थान हो जाएगा, केवल उनके लिए जो मसीह में मरे है, परमेश्वर उनको साथ ले आएगा।

169 "चेलों के मध्य में चलते स्वयं को प्रगट किया," कहा, "स्वयं को प्रगट किया।"

170 राष्ट्र में हर जगह मनुष्य है, जो कभी–कभी मुझे दिव्य चंगाई के लिए मेरी आलोचना करते है। क्यों, मेरे भाई, मैं दिव्य चंगाई पर विश्वास करने से कैसे अलग हो सकता हूं, जबकि यह पवित्र आत्मा का स्वभाव है। हर व्यक्ति जो परमेश्वर के आत्मा से जन्मा है उसे अलौकिक चीजों का विश्वास करना ही है, क्योंकि वह परमेश्वर का भाग है, वह परमेश्वर की संतान है।

171 मैं कहता हूं कि, "तुम अपने पिता के समान दिखाई पड़ते हो।" कहते है, "तुम्हारी नाक जैसे... " मुझे बताओ कि मेरी नाक पिता जैसी है; मेरा मुंह पिता के जैसा है। क्यों? वह मेरे पिता है। मेरा अधिकार है कि मैं उसके समान दिखु।

172 हाल्लेलुय्या! तब, यदि परमेश्वर मेरा पिता है, तो मेरा अधिकार है कि मैं अलौकिक का विश्वास करु, क्योंकि मैं अलौकिक आत्मा से जन्मा हूं। जिसने मुझ में से एक अलौकिक बनाया। भीतर, बाहर, मैं—मैं एक मिट्टी का मनुष्य हूं; आप मिट्टी के मनुष्य है। परंतु अंदर की ओर से, जब आप परमेश्वर के आत्मा से जन्मे है, आप उसमें अलौकिक जीव हो जाते है, और वह अलौकिक जीव उस ओर के स्वर्गीय घर के लिए भूखे और प्यासे हैं। यह सही है। आमीन। इस पर ध्यान दें।

173 वे वहां थे। यहां वह अब चल रहा है। वह मृतकों में से जी उठा है। आनन्द आने लगता है। चेलो के कदमों में कुछ और उछाल आने लगता है। कुछ घटित हुआ है; वह मृतको में से जी उठा।

174 हम पुरुष और महिला के साथ इसी प्रकार से है, जब वह परमेश्वर का आत्मा से जन्मा है, और सच्चा पुनरुत्थान देखते है। कोई मनुष्य नहीं जानता कि यीशु मरे हुओं में से जी उठा, जब वह स्वयं मसीह यीशु में ना मरे, और नया जन्म ले, पवित्र आत्मा के द्वारा नया हो। हर मनुष्य केवल धर्म विज्ञान में विश्वास कर रहा हो, वह केवल वस्तुओं में विश्वास कर रहा है, वह केवल कागज में देख रहा है, जब तक पवित्र आत्मा यीशु मसीह के पुनरुत्थान की गवाही ना दें। आप, जीवन की मरी हुई चीजों से, मसीह यीशु की जीवित आशा में नए हो जाए। हर पुरुष या स्त्री इसके बिना नष्ट है, इस प्रातः। यह ठीक बात है।

175 ओह, मेरे भाई, बहन, परमेश्वर के साथ ठीक हो जाओ। ह्रदय को साफ कर लो, जहां स्वर्गिय आनन्द की घंटियां बजती है, वहां पुनरुत्थान है; यीशु ह्रदय में जीता और राज्य करता है।

176 ध्यान दें जैसे–जैसे वे सड़क के किनारे–किनारे जा रहे थे। मैं सोचता हूं वहां एक आश्चर्यजनक बात थी। और बाईबल ने कहा वे मार्ग पर बढ़ रहे थे, और वे एक दूसरे से बातें कर रहे थे। और जब वे अंत में आए जहां वे सारी रात्रि ठहरने वाले थे, वे उसे छोड़ना नहीं चाहते थे।

177 उसमें ऐसा कुछ था, यदि आपकी उससे कभी जान पहचान हो गई, तो आप उसे छोड़ना नहीं चाहते। यह ठीक बात है। अब वह...

उन्होंने कहा, "आकर और हमारे साथ रह।"

178 मुझे यह अच्छा लगता है, "आ हमारे साथ रह।" हर व्यक्ति जो कभी भी यीशु मसीह के संपर्क में आया उसके साथ रहना चाहता है। "हमारे साथ रह।" संसार मृत है। मसीह जीवित हो उठा। वह यहां हमारे साथ रह रहा है। ठीक है।

179 "भीतर आकर और हमारे साथ रह। यह समीप आ रहा है... " और, यीशु, अब स्मरण रखें उन्होंने उसे अंदर आमंत्रित किया।

180 और हर व्यक्ति जो कभी मसीह के पास आता है मसीह को अपने छोटे घर में जिसमें वहां रहता है मसीह को आमंत्रित करता है। वो केवल आमंत्रण के द्वारा आता है। वह स्वयं को आपके ऊपर नहीं डालता। आप कहते है, "मैं यह कोई धर्मांधता नहीं चाहता," ठीक है, चिंता ना करें, यह वहां नहीं होगा। परंतु जब आप चाहते और तैयार हैं, और संसार की चीजों को बेच देने के लिए तैयार है!

181 जैसे कि बीती रात्रि मिशनरियों से बातें कर रहा था। मैंने कहा, "हां, आप लोग विद्यालय में जाते हैं और अपना धर्म विज्ञान सीखते हैं आप यहां आते हैं, पढ़ते, लिखते, और गणित; और अफ्रीका जाते और वहां के वासियों को दुगना, नरकिय बालक बना देते हैं, उससे जो वे पहले थे।"

182 परंतु मैंने कहा, "यीशु, जब उसने अपने चेलों को एक उद्देश्य के लिए अधिकार दिया, उसने कहा, 'देखो, मैं पिता की प्रतिज्ञा को तुम पर भेजता हूं, परंतु पहले यरूशलेम नगर में रुके रहना,' किसी धर्म विद्यालय में नहीं किसी नीतिशास्त्र के विद्यालय में नहीं। उसने कहा, 'यरूशलेम नगर में रुके रहना जब तक तुम ऊपर से सामर्थ ना पाओं। देखो, मैं पिता की

प्रतिज्ञा को तुम पर भेजता हूँ, परंतु तुम यरूशलेम नगर में ठहरे रहना जब तक तुम ऊपर से सामर्थ नहीं पाओ। इसके बाद पवित्र आत्मा तुम पर आएगा, तुम्हारा उद्देश्य होगा या गवाह होंगे, मेरे लिए यरूशलेम, यहूदिया, सामरिया, और संसार के दूर–दूर के भागों में।'"

183 और जब तक मनुष्य पवित्र आत्मा से ना भर जाए ना कि शिक्षा, ना धर्म विज्ञान के द्वारा, ना कलीसिया की सदस्यता के द्वारा! आमीन। [टेप पर खाली जगह—सम्पा।]... यरूशलेम में थे और पवित्र आत्मा के बपतिस्मे से भर गए, वह प्रचार मंच के लिए योग्य नहीं है, यह ठीक बात है, एक मिशनरी या कुछ और।

184 और जब फिलिपुस वहां गया पहला मिशनरी जो कभी गया, सामरिया में गया। और जब वह वहां पहुंचा तो उसने सुसमाचार प्रचार किया, बिमारो को चंगा किया, और अंधों की आंखों को खोला, बेहरो के कान खोले। नगर में एक बहुत बड़ा आनंद था।

185 और सब जगह एक वास्तविक परमेश्वर का सच्चा मिशनरी, या एक प्रचारक जाता है, तो वहां मसीह के पुनरुत्थान की घंटियां बज उठती है। आप मृत्यु और जीवन को एक साथ नहीं रख सकते; यह अलग हो जाएंगे। आमीन। तब जब मसीह मानव ह्रदय में आता है, तो वह आपको संसार की मृत वस्तुओं से अलग कर देता है, एक जीवित आशा में, मसीह यीशु में एक नई सृष्टी, और वह एक नया मनुष्य बन जाता है। मेरे भाइयों मैं आपको बताता हूं, यदि आज संसार को किसी चीज की आवश्यकता है, तो वह वास्तव में मसीह का सच्चा पुनरुत्थान उन्हें प्रचार करना है।

186 वे कहते है, "आकर हमारे साथ रह। वह सांझ दिन ढल गया है। तो, हमने उन स्त्रियों को सुना, उन्होंने क्या कहा, आश्चर्य है यदि यह सब सत्य है? " किसी और बात के विषय में सोचते हुए चले जा रहे है। परंतु उसने कहा, "थोड़ी देर के बाद, मैं अलग हो जाऊंगा।" उन्होंने कहा, "भीतर आकर हमारे संग रह।" उसने कुछ ऐसा व्यवहार किया कि वह चला जाएगा। बहुत सी बार वह ऐसा करता है यह देखने के लिए कि आप क्या करेंगे। यह ठीक बात है। इसलिए थोड़ी देर के बाद, उन्होंने उस से विनती की। उन्होंने कहा, "भीतर आ जा।"

187 वे भीतर गए, संम्भवत: है खाने की सूची उठाई, कहा, "अब आप खाने में क्या खाएंगे? "

188 और उन्होंने कहना, आरंभ किया, "हमारे साथ रह। हम बस तुम से प्रेम करते है। क्यों, हम तुझे अपना पास्टर बनाना चाहते है। तुझ में कुछ तो है और लोगों से कुछ भिन्न है। तुझ में कुछ है; तूने पवित्र शास्त्र को और लोगों से अलग समझाया है। हम तेरे लिए चाहेंगे कि—कि तू हमारे साथ भीतर चले। हम चाहते हैं कि तू हमारे मित्रों पतरस, याकूब और यूहन्ना और उनसे मिले। हमारे कुछ मित्र है जो यीशु के अनुयाई थे, और हम चाहेंगे कि तू हमारे साथ भीतर चले। ऐसा प्रतीत होता है कि तू उसके विषय में बहुत कुछ जानता है।" और ये वही था, स्वयं। वह वही था। बहुत सी बार वह आपके बराबर में बैठा है।

189 वहां वह खड़ा हुआ, उनसे बातें करने लगा। और पहली बात आप जानते है, जब उसने रोटी उठाई... उसने रोटी ली। उनकी आंखें अंधी थी। और उसने रोटी तोड़ी। जब उसने अपनी आंखें उठाई, और उसे आशीषित करके उसे तोड़ा, और उनकी आंखें खुल गई। मुझे यह अच्छा लगता है। उनकी आंखे खुल गई। यदि कोई किसी समय मसीह की कलीसिया है तो आवश्यकता यह है कि आज उसकी आंख खुल जाए; कुछ और रोटी तोड़ना। उनकी आंखे खुल गई और उन्होंने पहचाना कि यह वही था।

190 ओह, मित्र, क्या उसने आपकी आंखें इस प्रकार से खोली है? क्या उसने आपको कभी इस प्रकार से आशीषित किया है? क्या उसने आपको संसार की चीजों से कभी तोड़ा है, आपको अलग किया, एक टूटने और खुलने का समय। आज कलीसिया को इसी की आवश्यकता है, एक टूटने का समय और खुलता हुआ समय। और उसकी आंखें खुल गई, बल्कि उनकी आंखें खुल गई, और उन्होंने उसे पहचाना। जिस प्रकार से उसने उस रोटी से किया, उसी प्रकार से उन्होंने उसे पहचाना। ओह, कितनी बार...

191 अधिक समय नहीं हुआ, एक महिला यहां कोने में थी। उसे टीबी थी। मैं समझता हूं आज प्रातः वह यहां कलीसिया में बैठी है। मैं उस महिला का नाम याद कर सकता हूं। वह वहां पार रहती है... रेसी। धन्यवाद, बहन। ठीक है। श्रीमती रेसी, वहां लेटी थी तीन–चार बालक थे, और मैं उसके लिए प्रार्थना करने गया। तब उसे टीबी अस्पताल से यहां मरने के लिए भेज दिया था। और इसलिए मैं उसके लिए प्रार्थना करने गया था।

192 और मेरे पड़ोस में एक नास्तिक रहा करता था, और वह यहां सरकारी नौकरी करता था, श्री एंड्रूस। मैं अपनी पुरानी साईकल से कोने पर से जा

रहा था। और—और मैंने एक–दो रात्रि पहले, उस महिला के लिए प्रार्थना की थी। मैं घर गया। जब मैं बाहर बरामदे में बैठा था, तो प्रभु ने मुझे एक दर्शन दिखाया कि वह महिला जीवित रहेगी।

193 इसलिए, मैं वहां गया। मैंने कहा, "मेरे पास आपके लिए **यहोवा यों कहता है**, है। आप जीवित रहेंगी।"

और उसने कहा, "ओह, परमेश्वर का धन्यवाद हो, " वह बेचारी।

194 मैंने कहा, "क्या आप उठेगी और प्रभु के नाम का बपतिस्मा लेगी, उसे पुकारेगी, और अपने पापों को धो डालेगी? "

195 उसने कहा, "मैं कुछ भी जो परमेश्वर करने को कहेगा करूंगी। आप आकर मेरा निर्देशन करें और मुझे बताएं, और मैं—मैं यह करूंगी।"

मैंने कहा, "ठीक है।"

196 उसके एक दो प्रात: के पश्चात, मैं सड़क पर उस एक—एक व्यक्ति से मिला, और वह श्री एंड्रूस थे। उसने कहा, "प्रचारक, वहां जरा एक मिनट रुको।" मैं समझता हूं लंबे समय से इस प्रात: की प्रतीक्षा कर रहा था। और उसने कहा, "प्रचारक वहां एक मिनट रुकिए।" उसने कहा, "आप कहां—आप कहां जा रहे हैं? "

मैंने कहा, "वहां परचून की दुकान पर।"

कहा, "क्या आपको अपने पर लज्जा नहीं आती? "

मैंने कहा, "क्या? "

197 कहा, "वहां उस बेचारी मरने वाली मां को बता रहे हो कि वह जीवित रहेगी।"

मैंने कहा, "भाई, वह जीवित रहेगी।"

उसने कहा, "तुम कैसे जानते हो कि वह जीएगी? "

मैंने कहा, "यीशु ने ऐसा कहा है। इसी कारण मैं जानता हूं।"

कहा, "तुम कैसे जानते हो? "

198 मैंने कहा, "उसने मुझे उसका दर्शन दिखाया है।" जिस प्रकार से उसने किया है; मैं जान गया कि ये होने वाला है। यह ठीक बात है।

199 उसने कहा, "मैं अपने में लज्जित हुआ हूं।" कहा, "कि तुम आसपास जाकर और लोगों को इस प्रकार धोखा देते हो।" कहा, "आपको लज्जा

आनी चाहिए। अब, मैं जानता हूं मेरे लिए यह एक प्रकार से कठिन है, पहले, तुमसे मिलना और तुमसे इस प्रकार बात करना।"

200 मैंने कहा, "यह ठीक बात है। यह आपका अपना विचार है, और मेरा भी अपना है।" मैं अपनी पुरानी साईकल पर चढ़ा और चला गया।

201 उसके दो दिन के बाद, उसकी पत्नी एक मसीही महिला होने के नाते, वह बीमार पड़ गई। मैं वहां गया। मैंने कहा, "श्री एंड्रूस, क्या मैं आपके लिए कुछ कर सकता हूं? "

202 उसने कहा, "अब आप यहां देखिए।" कहा, "हमारे पास एक अच्छा डॉक्टर है।" कहा, "हमें आप सहायता की कोई आवश्यकता नहीं है।"

203 और मैंने कहा, "धन्यवाद।" मैंने कहा, "मैं जानता हूं कि आपके पास एक अच्छा डॉक्टर है।" और उसने उसका नाम लिया; और वह—वह यहां नगर का एक अच्छा डॉक्टर है, मेरा मित्र है। मैंने कहा, "वह एक अच्छा डॉक्टर है।"

204 उसने कहा, "उसे अपेंडीस है। हमें इसे बाहर निकालना होगा, और बस यही।" कहा, "हमें आसपास प्रार्थना की आवश्यकता नहीं है।"

205 मैंने कहा, "ये तो श्री एंड्रूस है, मैंने यह नहीं पूछा।" मैंने कहा, "मैं तो केवल यह कहना चाहता था कि मैं—मैं आपकी लकड़ी काट सकता हूं। जो भी मैं कर सकता हूं मैं करूंगा आपके आग सुलगाने के लिए, कोयला, कुछ भी जो मैं कर सकता हूं।"

206 इसलिए, ओह, वह इस विषय में बहुत चालाक था। वह कुछ भी प्रार्थना के साथ नहीं करना चाहता था। मैंने कहा, "ठीक है।" इसलिए मैं घर वापस चला गया।

और जब मैं चला गया, क्यों, वे उसे अस्पताल ले गए।

207 और अगली प्रातः, मैं गश्त पर निकला। मैं—मैं शिकार का देखभाल करने वाला था, आप जानते है। और मैंने अपनी पुरानी बंदूक टांगी, और सड़क पर चल दिया। मैं वहां सड़क–सड़क जा रहा था, और होते हुए वहां पर जा रहा था।

208 और पहली बात आप जानते है, किसी चीज ने मुझसे, कहा, "मुड़ो वापस जाओ।" यह वही जीवित हो उठा यीशु है, "घूमो वापस जाओ।"

मैंने सोचा, "ओह, सम्भव है, मुझे लगा हो... "

किसी चीज ने कहा, "वापस जाओ।"

209 मैं घूमा और वापस चला गया। मैंने पब्लिक सर्विस कंपनी को फोन किया। मैं बड़े बिजली के तारों की गश्त भी लगा रहा था, इसलिए मैंने फोन किया, और उन्हें बताया कि मैं उस दिन काम नहीं करूंगा। रिमझिम वर्षा हो रही थी, यद्यपि वह मुझे कार्य से करने से नहीं रोकती, परंतु मैं बस वापस चला गया। मैं नहीं जानता क्यों।

210 मैं बैठ गया और अपनी पुरानी बंदूक अलग खड़ी कर दी, वह चमक रही थी। मैं... मैडा ने मुझसे कहा, मेरी पत्नी ने उसने कहा, "तुम यहां पीछे क्या कर रहे हो? "

211 मैंने कहा, "मैं नहीं जानता। उसने मुझसे कहा वापस जाओ। 'आज्ञा मानना बलिदान से अच्छा है, मेढे चाबी से सुनना।' बस वापस जाओ।" मैं वहां बैठ गया और छोटी पुरानी बंदूक चमक रही थी।

212 और पहली बात आप जानते हैं, मैंने ध्यान दिया कि घर के आसपास आ रहा था; और अपनी टोपी एक ओर किए हुए वह आता है, आप जानते है, और उसकी नाक में से नाक लटक रही थी और भीतर आया। और उसने कहा... [भाई ब्रंहम पुलपिट पर टक–टक करते है—सम्पा।] उसने कहा, "श्रीमती ब्रंहम? "

कहा, "जी हाँ।"

"क्या प्रचारक यहाँ है? "

कहा, "हाँ।" कहा, "श्री एड्रूस, भीतर आईये।"

कहा, "अरे, प्रचारक।"

और मैंने कहा, "शुभ प्रातः, श्री एंड्रूस। कुर्सी लीजिये।"

213 उसने कहा, "*नाक सिकुडते*!" "आपने—आपने आज श्रीमती एंड्रूस के विषय में सुना? "

मैंने कहा, "नहीं।"

बोला, "अच्छा," कहा, "प्रचारक, वह मरने वाली है।"

214 मैंने कहा, "ओह, ये तो बहुत बुरा है।" मैंने कहा, "मुझे यह सुनना अच्छा नहीं लगता।" कहा, "यद्यपि, मैं जानता हूं कि तुम्हारे पास अच्छा डॉक्टर है।"

और उसने कहा, "हाँ," उसने कहा, "परंतु यह—यह—यह एपेंडिस नहीं था।"

और मैंने कहा, "यह नहीं था? नहीं? "

215 कहा, "नहीं। हमारे पास वहां लुईसविले से विशेषज्ञ है।" कहा, "यह लहू का जमाव है। उसके हृदय से वह कुछ ही घंटों दूर है," कहा, "उसके हृदय की ओर बढ़ रहा है।" कहा, "वह मरने वाली है।"

216 मैंने कहा, "ओह, ये बहुत बुरा है। मैं इसे सुनना पसंद नहीं करता।" अपनी बंदूक चमकाता रहा।

217 और उसने कहा, "अच्छा," उसने कहा, "अच्छा, वह तो वह बुरी हालत में।"

218 और मैंने कहा, "जी हां, श्रीमान।" मैंने कहा, "ये... " कुछ देर उसे पसीना आने दो, इसलिए मैं आगे बढ़ गया और अपनी बंदूक पर कार्य करता रहा।

219 उसने कहा, "अच्छा, ओह, ओह," उसने कहा, "तुम समझते हो कि तुम उसकी सहायता कर सकते हो? "

220 मैंने कहा, "मैं? " मैंने कहा, "मैं डॉक्टर नहीं हूं। श्रीमान, मैं नहीं जानता कि क्या करूं।" मैंने कहा, "मैं डॉक्टर नहीं हूं।"

221 उसने कहा, "अच्छा, ओह आप जानते है," कहा, "ओह, मैंने—मैंने—मैंने सोचा संभव है—संभव है आप कर सकेंगे, उसकी थोड़ी सहायता करते।"

और मैंने कहा, "आपका क्या अर्थ है? "

222 उसने कहा, "ठीक है, आप जानते है, जैसे कि वहां उस महिला कि... "

223 मैंने कहा, "मैं समझा।" मैंने कहा, "वह मैं नहीं था। वह प्रभु यीशु था।"

और उसने कहा, "ठीक है... "

मैंने कहा, "मैंने सोचा कि आप उसमें विश्वास नहीं करते? "

224 उसने एक बार एक छोटी कहानी सुनाई। उसकी—उसकी दादी, या उसकी—उसकी मौसी थी, मैं विश्वास करता हूं, उसने वचन दिया था, कि वह बूढ़े बाहरी क्षेत्र के प्रचारक को वर्ष के अंत में डॉलर पांच देगी।

उसने कपड़े धोए, और उसके पास देने के लिए पैसे नहीं थे। और धुलाई का दिन आया, और तब प्रचारक वहां आने को था, और उसके पास कोई पैसा नहीं था। और उसके पास एक डिम, या एक निकेल था, या उसे बड़े साबुन का जो भी दाम था, और उसने उसे दुकान पर भेजा। वापस आया, और कहा, कि उसने वो—वो साबुन ले लिया है, और... और रो रही थी। कहां... उसने नीचे झुककर अपना पुराना बड़ा लबादा लिया और अपने आंसू पोंछे।

225 और वह उस पुरानी केतली पर थी, जैसे आपकी माताओं के पास हुआ करती थी। और अब आप बस बटन छुए। वह हो गया, आप समझे।

226 परंतु उसने कपड़े धोने के स्थान पर साबुन *इस* प्रकार से रखा। और उसे ऊपर रख रही थी; उसने सुना कुछ रगड़ रहा है। और उसने नीचे देखा और देखा कि साबुन की बट्टी में कुछ चिपका है, और वहां डॉलर पांच का सोने का टुकड़ा था; उसने बूढ़े बाहरी क्षेत्र के प्रचारक के लिए वचन दिया था। उसने कहा...

मैंने कहा, "वह वहां कैसे आया? "

कहा, "तो, मैं बस आश्चर्य कर रहा था? "

227 मैंने कहा, "जीवित हो उठे यीशु ने यह किया है। उसने भले ह्रदय से प्रतिज्ञा की थी। उसने सोचा कि वह इसे कर सकेगी और परमेश्वर ने उसके लिए मार्ग निकाला।" जिस प्रकार से वह चीजों को करता है, उसी प्रकार से आप उसे पहचानते है। जिसके द्वारा वह करता है, वे चीजें जो वह करता है, जिस प्रकार से वह करता है। उसने कहा...

228 उसने कहा, "भाई, मैंने—मैंने सदा आश्चर्य किया।" कहा, "ये सदा मेरे ह्रदय पर था, आश्चर्य है, यदि वह... "

मैंने कहा, "यदि वो वहां था? " मैंने कहा, "वहां, श्रीमान एंड्रूस है।"

229 उसने, "भाई ब्रंहम, आप सोचते है, वह... वह—वो—वो मेरी पत्नी की सहायता कर सकता है? "

मैंने कहा, "निश्चय ही। मैं जानता हूं वह कर सकता है।" मैंने कहा, "क्या आप... "

उसने कहा, "क्या आप उसके लिए प्रार्थना करेंगे? "

230 मैंने कहा, "नहीं। आप उसके लिए प्रार्थना करें।" मैंने कहा, "आप वो व्यक्ति है जो उसके लिए प्रार्थना करेंगे।"

उसने, "अच्छा, मुझे नहीं मालूम कि प्रार्थना कैसे करते है।"

231 मैंने कहा, "जो भी हो, इससे कोई भला नहीं होगा, यदि आपने प्रार्थना की।" मैंने कहा, "नीचे आ जाओ और उससे बातें करो।"

उसने कहा, "तो, मैं इसे कैसे करूं? "

232 मैंने कहा, "अपनी कुर्सी बस पीछे खसका दो, और वहां बैठ जाओ... उस पर घुटने टिका लो, मेज के पास, और प्रार्थना आरंभ करें।"

233 इस प्रकार से वह नीचे आ गया, और उसने प्रार्थना आरंभ की। और उसने कहा, "अब," उसने कहा, "श्रीमान, मैं नहीं जानता कि आप से कैसे बातें करूं।" उसने कहा, "परन्तु यदि आप मेरी पत्नी की सहायता करेंगे!"

234 वह उठा और बोला, "बोलता है, प्रचारक, अब चलो अस्पताल चले और उससे बातें करते है।" कहा, "संभव है, यदि हम वहां अस्पताल में पहुंचे।"

मैंने कहा, "ठीक है।" मेरी पत्नी तैयार हो गई। हम वहां बाहर निकल गए।

235 और श्रीमती एंड्रूस अपनी आंखों से और अधिक देख भी नहीं सकती थी, वो—वो लहू अलग हो गया था, आप समझते है। थक्के ने लहू में... पानी। और आप उनकी आंखें देख नहीं सकते थे। मैंने उसकी ओर देखा। ओह, मेरी! पत्नी ने रोना आरम्भ कर दिया था।

236 मैं घुटनों पर हो गया और प्रार्थना करनी आरम्भ कर दी। मैंने कहा, "प्रिय परमेश्वर, अब मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि आप इस महिला की सहायता करेंगे।" मैंने कहा, "यह देखते हुए कि हम सब बिना आशा, बिना आशा के है। डॉक्टर वह सब कुछ कर चुका है जो वह कर सकता था, और फिर भी वह यह पड़ी हुई मर रही है।" मैंने कहा, "ओह परमेश्वर, हम क्या कर सकते हैं? अब हम और क्या कर सकते हैं? हम तुझे पुकारते है। हम जानते है कि आप मरे हुओं में से जी उठे है, और तू हमारे मध्य में जीवित है। और आप वैसे ही स्पर्श योग्य है जैसे यह उजियाला मेरे हाथों पर पड़ रहा है। आप यहां है। और आपके पास सारी सामर्थ है। और अब, प्रभु, तू

यह कर सकता है यदि तेरी कृपा दृष्टि हम पर हो तो हम नम्रता पूर्वक आकर इस महिला के लिए अनुग्रह मांगते है।"

237 जबकि मैं प्रार्थना कर रहा था, तो चीजें इस प्रकार से बढ़ने लगी। मैंने देखा और मैंने देखा कि वह सेब के मुरब्बा हाथ में लिए हुए मेरे घर की ओर आ रही है। और उसे मुझे दिया और मैं सामने के बरामदे में बैठा था और उसे खाने के लिए। तब मैं उठा, उसके दर्शन दिखाने के पश्चात।

238 यह क्या था? जीवित हो उठा। प्रभु, यह कैसा था? वह मनुष्यो के मध्य में है। "वह चीजें जो मैं करता हूं... " उसने कुएं पर उस स्त्री का पाप बता दिया। उसने बताया कि फिलुप्पुस कहाँ था, जब वह अंजीर के पेड़ तले प्रार्थना कर रहा था। वह जानता था कि मछली कहां थी, जिसके मुंह में सिक्का था। उसने कहा, "पिता मुझे कार्यो को दिखाता है, और मैं कार्य करता हूं। और जो काम में करता हूं तुम भी करोगे।" यह क्या है? यह पुनरुत्थान है। वह मरे हुओं में से जी उठा। वह मरा हुआ नहीं है। वह इस समय ठीक यहां पर है। वह कमरे में वास्तविक है, जैसे उजियाला। वह वैसा ही है जैसे वास्तव में।

239 क्यों नहीं, कुछ वर्षों पहले मनुष्य नहीं जानता था कि बिजली क्या होती थी, परंतु उसके ह्रदय में एक जिज्ञासा थी कि मालूम करें कि वह क्या था। उसने विश्वास किया कि वह बिजली बना सकता है। थॉमस एडिसन, और उसने दस हज़ार तारों पर कोशिश की, परन्तु तब उसने कुछ पाया। और उसने संसार को बिजली दी।

240 मनुष्य ने टेलीफोन पर विश्वास किया, और—और दूसरी चीजें। परमेश्वर ने यहां सब रखा है।

241 और इस प्रातः यीशु मसीह के पुनरुत्थान की सामर्थ है, ठीक यहां इस भवन में, हर पापी को बचाने के लिए, पवित्र आत्मा से भरने के लिए, और इस संसार में हर बीमारी को चंगा करने के लिए, यदि आप ठीक तार को जानते हैं जो अगुवाई करता है। यह प्रेम और विश्वास; यही सही तार है। इसमें होकर एक बार यात्रा करें, और देखिए यदि वह नहीं बताता।

242 आप जानते है, जब फ्रेंकलिन ने बिजली को पकड़ा, वह नहीं जानता था कि उसके पास क्या है। उसने कहा, "मुझे मिल गया। मुझे मिल गया। मुझे मिल गया। मुझे मिल गया।" वह जान गया कि वहां एक पुनरुत्थान था। उसे वहां कुछ मिला था; वह नहीं जान पाया कि वह क्या था।

243 सम्भव है कभी पवित्र आत्मा आपसे बातें करें और आप ना जाने कि वह क्या था; परंतु आप जानते है कि ये वहां है, जिस प्रकार से वह करता है। उसी प्रकार से परमेश्वर कार्यो को करता है; वे इसे पहचानते है।

244 तब यह श्री एंड्रूस, जब मैं बाहर गया और उसे बताया। और तीसरे दिन, लगभग दो... उस समय से दो घंटो बाद, हम घर वापस आ गए। और वह आया...

245 तब, ये यहां पर साधारण बात थी। वह पार करता हुआ आया। उन्होंने उसे बुलाया, कहा, "तुम्हारी पत्नी मर रही है।" कहा, "उसके गले से मृत्यु की आवाज आ रही है। अच्छा हो कि तुम आ जाओ।"

246 और वह पूरी रीति से निराश होकर वापस आया। कहा, "भाई ब्रंहम," कहा, "डॉक्टर ने कहा है वह मरने वाली है।" कहा, "वह अभी–अभी वहां पर था। उसने कहा, 'वह मरने वाली है।'"

मैंने कहा, "परन्तु प्रभु यीशु ने कहा, 'वह जीवित रहेगी।'"

कहा, "अरे, कैसे हो सकता है... यदि वह मरती है तो क्या वह जीवित रह सकती है?"

मैंने कहा, "वह जीवित हो चुकी है।"

247 हाल्लेलुय्या! *हाल्लेलुय्या* पर उत्तेजित ना हो। इसका अर्थ है, "हमारे परमेश्वर की स्तुति हो।" एक प्रातः कभी हुई थी कि हाल्लेलुय्या की आवाज लोगों के मुख से आनी थी, क्या इस प्रातः। यह ठीक बात है। हमारे परमेश्वर की स्तुति हो, क्योंकि मृत्यु की प्रत्येक छाया हटा दी गई है। वह जीवित है।

248 ध्यान दें। और उसने कहा, "अच्छा, अब," कहा, "वह कैसे यह करेगी?"

249 मैंने कहा, "मैं... यह मैं नहीं हूं कि इसे बता सकूं। मैं तो केवल जो परमेश्वर ने कहा उसका विश्वास करता हूं वह इसे करने जा रहा है।"

250 इसलिए फिर वह बहुत ही उदास हो गया। और कुछ देर बाद वह अस्पताल गया।

251 वह वापस आता है, जब घर के समीप वह आया, चुटकी बजा रहा था। दौड़ कर भीतर आया, बोला, "प्रचारक, जानते हो क्या हुआ?"

252 और मैंने कहा, "श्री एंड्रूस, क्या हुआ?" मैं अभी–अभी वहां बैठा था चमक रहा था, आप जानते है।

उसने कहा, "आप जानते हैं क्या हुआ।"

और मैंने कहा, "क्या हुआ, श्री एंड्रूस? "

253 कहा, "वह उठी। उसमें से सारा पानी निकल गया।" उसने कहा, "मैं भूख से मरने पर हूं।" कहा, "वे गये और कुछ शोरबा ले आए। उसने कहा, 'मुझे शोरबा नहीं चाहिए। मुझे सोसज और पत्ता गोभी चाहिए।'" वह भूखी थी।

254 यह क्या था? यह क्या था? क्योंकि वह मृतकों में से जी उठा। वह महिला अस्पताल से एक स्वस्थ महिला के समान आयी।

> वह जीवित है, वह जीवित है, उद्धार प्रदान करने को!
> आप मुझसे पूछते है मैं कैसे जानता हूं कि वह जीवित
> है? वह मेरे ह्रदय में रहता है।

255 यह ठीक बात है। वह वहां पर आया। और उसके तीन दिन के पश्चात, मैं सामने बरामदे में अपने पैर को पटपटा रहा था, और बहुत बढिया सेब की मुटरी खा रहा था, जो मैंने पहले कभी नहीं खाई। क्यों? वह जीवित है। वह मृतकों में से जी उठा।

256 यह साधारण महिला यहां पर थी जब वह तपेदिक से उठी, और अस्पताल ने कहा था, कि वह मरने वाली है। वह यहां आयी, तब उसने मना कर दिया। उसने सोचा कि आकर बपतिस्मा लेना धर्मांधता है।

257 एक दिन वहां अपने घर में तेज बुखार में बैठी थी, और वह अपने घर से, मुझे वहां प्रचार करते हुए, सुन सकती थी। मैं पानी के बपतिस्मे पर प्रचार कर रहा था। वह उठी और लड़खड़ाती हुयी आराधनालय में आयी। और ठीक पीछे बैठी हुई थी। और उसने कहा "मुझे बपतिस्मा लेना चाहिए।" उसके कंधे पर बड़ी सी गांठ फूल गई थी। श्रीमती वेबर, यहां है, जाकर उसके लिए कपड़े ले आई, और आकर उसे पहना दिए। और वह एक सौ चार बुखार के साथ पानी में उतर गई, और परमेश्वर की प्रतिज्ञा के अनुसार बपतिस्मा लिया था। और आज... यह वर्षों पहले की बात है। और आज, वह इस प्रातः वह जीवित बैठी है, क्योंकि परमेश्वर जीवित है, और राज्य करता है, और वह मृतकों में से जी उठा।

258 कुछ सप्ताहो पहले, वह और उसकी पुत्री लुईसविले में थे। वे लोग सड़क पर आ रही थी, और वहां एक निर्धन बूढी बिखारी महिला बैठी थी। और वह भीख मांग रही थी। कहा, "महिला, मेरी सहायता कर दे। मैं आवश्यकता

में हूं।" उसने अपनी जेब में देखा, उसके पास सीमित पैसे थे, पंद्रह सेंट, मैं विश्वास करता हूं कि उन्हें यहां से पुल पार करना था।

259 वह साथ–साथ चल रही थी। वह सड़क पर चल रही थी। प्रभु ने उससे कहा, कहा, "अब, जब तू नि:सहाय थी, मैंने तेरी सहायता की। और यह स्त्री नि:सहाय है, और क्या तू इसकी सहायता नहीं करेगी।"

260 वह थोड़ा और आगे बढ़ी, कहा, "प्रभु, मेरे पास केवल पंद्रह सेंट है। मैं और मेरी पुत्री घर कैसे पहुंचेंगे? हम कैसे करेंगे? "

उसने कहा, "तुझे इससे क्या? तू मेरे पीछे चल।"

261 वह घूम कर वापस गई। उसने कहा, "महिला, मुझे क्षमा करें।" कहा, "मेरे पास केवल पंद्रह सेंट ही है, जिससे मैं और मेरी पुत्री पुल पार करेंगे।" कहा, "मेरे पास जो भी है। मैं तुम्हें दे रही हूं। मुझे खेद है, कि मेरे पास और नहीं है।"

उसने कहा, "मेरी पुत्री, परमेश्वर तुझे आशीष दे।"

262 वह पलट कर, और फिर चलने लगी। उसकी पुत्री ने कहा, "मां, अब, हम क्या करने जा रहे हैं? " कहा, "सारा यातायात, उस पुल चलना खतरनाक है।" कहा, "अब हम पुल पर नहीं चल सकते।"

263 उसने कहा, "मैं नहीं जानती। उसने मुझसे कहा दे दो, और मेरे पास बस वही था।"

264 सड़क पर चलते–चलते और उसने अचानक से देखा। उसकी पुत्री ने कहा, "ओह, मां, देखो! यहां एक सिक्का पड़ा है।" और उसने देखा और उसने कहा, "और यहां डिम है एक सिक्का।"

265 यह क्या है? जिस प्रकार से वह कार्यों को करता है। वह हम पर प्रगट करता है कि वह यहां है।

266 यहां पिछली गर्मियों में, मैं बाहर सभाओं में था। मेरी पत्नी ने भीतर आकर कहा, "बिली, मुझे चेक चाहिए। कुछ किराने का सामान चाहिए।"

267 और कोई निर्धन प्रचारक आया, बोला, "भाई ब्रंहम, मेरे पैसे खत्म हो गए।" कहा, "मैं—मैं दु:खी हो गया हूं। मुझे टेक्सास जाना है।" कहा, "मैं—मैं आपको किसी दिन दे दूंगा जब मैं कर सकूंगा।" कहा, "क्या आप मेरी सहायता करेंगे, मेरी सहायता करें? " कहा, "मुझे पचास डॉलर चाहिए।"

268 मैं बैंक में गया कि देखूं, यदि मेरे पास है। मेरे पास बस—बस लगभग सौ थे इसलिए मैंने जाकर उसे पच्चास डॉलर दे दिए। वह लेकर चला गया।

269 छोटी–छोटी बातें आती है, आप जानते हैं यह कैसे है। पत्नी ने कहा, "बिली, आज मुझे लगभग बीस डॉलर चाहिए, ताकि जाकर कुछ किराने का सामान ले आऊं।" हमने जाकर किराने का सामान लिया। वापस आ गए। वह अंडे भूल गई। हमारे पास नहीं थे। इसलिए मैंने सोचा, "ओह, तो," मैंने सोचा, "संभव है कोई कुछ करेगा।"

270 इसलिए मैं गया, और मैं श्रीमान मे, की सहायता कर रहा था, एक प्रकार से... घर पर अभी तक कोई नहीं था, और वहां मैं कुछ मिट्टी साफ कर रहा था। और मैंने देखा, एक पुरानी कार भीतर आ एक ओर आ गई, और रुक गई। एक बूढ़ा प्रचारक बाहर निकला, थोड़ा सा विकलांग था; और चलता हुआ आया, मैं बरामदे में पीछे झुका हुआ बैठा था। मैंने सोचा, "वह बेचारा, बूढ़ा खस्ता हाल प्रचारक; मैं—मैं उठकर और उससे मिलने चला।"

मैं गया। मैंने कहा, "शुभ प्रातः।"

271 उसने कहा, "आदरणीय ब्रंहम, आप कैसे हैं? " कहा, "मैं नहीं समझता कि आप मुझे जानते है।" उसने मुझे बताया कि वह कौन था। कहा, "मैं निर्धन प्रचारकों में से एक हूं।" उसने कहा, "मैं क्लीवलेंड में था, उन्होंने मुझे यहां तक आने के लिए तेल दिया।" और कहा, "मेरी पुरानी कार वहां लगभग सूखने पर भी।" कहा, "किसी चीज ने मुझे यहां आने को कहा।" कहां, "संभव है कि आप मेरी थोड़ी सहायता करेंगे।"

272 मैंने उसकी ओर देखा। मैंने सोचा, "ओह," आप जानते है। मैंने सोचा, "बेचारा बूढ़ा व्यक्ति।"

मैंने कहा, "आइये हम प्रार्थना करें।"

उसने कहा, "मैं चाहता हूं कि आप प्रार्थना करें। मेरी जांघ दुःख रही थी।"

और मैंने कहा, "ठीक है।" प्रार्थना के लिए हमने घुटने टिकाये।

273 जब मैंने प्रार्थना आरम्भ की, प्रभु ने कहा, "उसे पांच डॉलर दे दे।"

274 मैंने कहा, "ठीक है, प्रभु, आप इस विषय में सब कुछ जानते हैं। आप, आप जानते है कि ये है कि नहीं।"

और मैंने कहा, "प्रभु ने मुझे कहा है कि तुम्हें पांच डॉलर दू।"

कहा, "भाई ब्रंहम, ये तो बहुत है।"

275 मैंने कहा "परंतु उसने मुझसे कहा कि तुम्हें पांच डॉलर दू।" और मैंने चेक लिखा। मैंने कहा, "इसे स्त्रोथेर के यहां ले जाओ, वे इसे भुना देंगे।" मैंने सोचा, "अब क्या?" बाहर गया। वह चल गया, और थोड़ी दूर ही गया।

276 वहां एक व्यक्ति घर पर कार्य कर रहा था, श्री लूथर के साथ आया। उसने कहा, "कहो प्रचारक!"

और मैंने कहा, "हां!"

277 कहा, "आप जानते है," कहा, "मेरे पास घर पर सौ मुर्गियां है।" और कहा, "वे पुरानी मुर्गियां," कहा, "मैंने—मैंने उन्हें सब को आरंभ करने वाला और सब कुछ दिया, और खाने, और," बताया, "कि मैं उनसे अंडे नहीं दिलवा पाया।" उसने कहा, "एक सप्ताह पहले मैं गया, मैंने कहा, 'प्रभु, यदि आप बस—यदि आप बस इन मुर्गियों के अंडे दिलवा दें तो, मैं आधे अंडे बाट दूंगा।'" कहा, "आप जानते है, उन्होंने अंडा देना आरंभ कर दिया।" कहा, "अगले दिन मुझे नब्बे अंडे मिले।" उसने कहा, "यहां मेरे—मेरे पास अंडों का बॉक्स है, मैं आपको देना चाहता हूं।" बिल्कुल ठीक पांच डॉलर।

278 यह क्या है? इसी प्रकार से वह चीजो को करता है। मैं इस प्रातः क्या कहना चाहता हूं? मैं यह कहना चाह रहा हूं, कि, यीशु मसीह जीवित है और राज्य करता है। वह मृतकों में से जी उठा है। उसने रोटी तोड़ी। उनकी आंखें खुल गई। उन्होंने पहचान लिया कि ये वह था, इसी प्रकार से वह कुछ भी करता है। आप ध्यान दें और आप पायेंगे इसी प्रकार से, वह चीजों को करता है, वह अब भी जीवित और राज्य करता है।

वह जीवित, वह जीवित है, उद्धार देने को!
मुझ से पूछो मैं कैसे जानता हूं कि वह जीवित है? वह
मेरे ह्रदय में वास करता है।

279 उसका संदेश था, "जाकर मेरे चेलों को बताओ, मैं उनसे गलील में मिलूंगा।"

280 और आज उसका संदेश है, वह आपसे मिलेगा। "मैं तुमसे मिलूंगा," जब कभी भी आप उससे मिलेंगे। "बोझ दबे और थके मांदे लोगों मेरे पास आओ।"

281 परंतु, मेरे मित्रों, जैसे कि वे लोग आश्चर्यचकित थे, जब उन्होंने सुना यह व्यक्ति किनारे पर, कह रहा था, "अपने जाल डालो।" वे ये नहीं जानते थे। और इम्माऊस के वे लोग जब वे उसके साथ चले और उससे बातें की, और यह नहीं जानते थे।

282 और हम में से बहुतो ने मेरे मित्रों, मसीह की ऊंची बुलाहट से चूक गए, क्योंकि हमने नहीं पहचाना। बहुत सी बार न्याय के कटघरे में, वहां निराशा होगी, जब आप अनुभव करते हैं कि यीशु मसीह का धर्म उद्धार और आनंद और प्रसन्नता लाता है। जैसे की पौलूस ने पुराने दिनों में कहा, "जिस प्रकार से यह विधर्भ कहलाया है।" *विधर्म* "पागलपन," आप जानते है। "जिस प्रकार से यह कुपन्थ कहलाता है, उसी के द्वारा मैं हमारे पिता प्रभु परमेश्वर की आराधना करता हूं; जिस प्रकार से यह कुपन्थ कहलाता है।"

283 बहुत सी बार आप लोगों को देखेंगे जो प्रसन्न और आनंदित, और परमेश्वर के आत्मा से भरे हुए है, जहां दिव्य चंगाई और सामर्थ और आश्चर्य और आश्चर्य कर्म होते है। वे कहते है, "यह सम्मोहन विद्या है।" वे कहते है, "ये, *यह वह, या इत्यादि* है।" परन्तु, यदि आप केवल बाईबल पढ़े, तो यह प्रभु यीशु मसीह है। आप बस उसे पहचानते नहीं। आप बस अनुभव नहीं करते कि वह कौन है।

284 मैं विश्वास करता हूं कि इसके पहले यह दिन बीते, इसके पहले यह दिन बीते वह आपके जीवन में कुछ करेगा, कि आप उसे पहचानेंगे, और पुनरुत्थान आपके हृदय में जाग उठेगा, यदि यह नहीं हो चुका। और संभव है... और आप ध्यान देंगे चिड़िया भिन्न रीति से गाती है। वह प्रिय जी उठा यीशु आज प्रातः मृतकों में से उठा है, इसलिए मृत्यु का सारा भय जा चुका। हाल्लेलुय्या! वे भूल जाने वाले समुद्र में मोहर बंद हो गया।

285 जब बूढ़ा संत पौलूस अपने जीवन के अंतिम छोर पर आया, और वह जंजीरों से बंधे हुए पैरों के साथ बैठा हुआ था, और उसके हाथों में बंधी थी; वे वहां सामान तैयार कर रहे थे, और वे उसके सिर को काटने जा रहे थे। जब उन्होंने कहा, "पौलूस, अब तुम इस विषय में क्या सोचते हो? "

286 उसने कहा, "मैंने एक अच्छी लड़ाई लड़ी है, मैंने कार्य को पूरा किया है, मैंने विश्वास की रखवाली की है; और इसलिए वहां मेरे लिए धार्मिकता का राज रखा है,... प्रभु, धार्मिक न्यायी, वह मुझे उस दिन देगा; केवल मुझे ही नहीं, परंतु उन सब को जो उसके प्रगट होने को प्रिय जानते है।"

287 जब वे उसे एक चबूतरे पर ले गए, और उसका कॉलर नीचे खींचा और उसका सिर वहां पर रखा, मृत्यु उसको सामने से घूरने लगी। उसने कहा, "अब मैं तुझे ले लिया। अब तू डर गया।"

उसने कहा, "ओह मृत्यु, तेरा डंक कहाँ है? "

288 वहां देखिए, और उसने उन्हें वहां गड्ढा खोदते देखा, ताकि उसे कब्र में डालें। उस बूढी कीचड़ वाली कब्र ने कहा, "मैं तुझे पकड़ लुंगी। मैं तुझे ढाल दूंगी। मैं तेरी देह को दूषित कर दूंगी। त्वचा के कीड़े तेरी अंदर बाहर रेंगेंगे। मैं... "

उसने कहा, "कब्र, तेरी जय कहां रही? "

289 परंतु उसने अपना सिर यरूशलेम की ओर घुमाया, ओह, प्रभु, "परंतु परमेश्वर का धन्यवाद हो जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जयवंत करता है!" ओह, प्रभु!

290 मुझे भी जीवन के अंत पर आना है। इन्हीं किन्हीं दिनों में, मेरा परिश्रम पूरा हो जाएगा। यहां कुछ लड़के बैठे है, हम जो साथ–साथ खेले, एक साथ बॉक्सिंग खेली, एक संग गोटियां खेली और सब कुछ। सब हम छोटे–छोटे लड़के थे। परंतु अब मैं ध्यान देने लगा हूं... कल मेरा जन्म दिन है। कल मैं चवालीस वर्ष का हो जाऊंगा। मेरे कंधे झुकने लगे है, और मेरी आंखों के नीचे झुर्रियां आने लगी है, जो भी बाल बचे हैं, सफेद होने लगे है। यह क्या है? मृत्यु पैठ रही है; वह मुझे पीस रही है।

291 परंतु, भाई, जबकि एक ओर मृत्यु पीस रही है, दूसरी ओर जीवन फिर नया हो रहा है। यह ठीक बात है। और एक दिन आप सब वहां कब्रिस्तान में खड़े होंगे, जहां उन्होंने प्रबंध किया; और यदि मैं यीशु के आने से पहले मर गया, तो वे केवल *ओनली बेलिव* गाने जा रहे है, "सारी बातें संभव है, केवल विश्वास।"

292 जब आप उन्हें कहते हुए सुनते है, "वह चला गया," तब बॉक्स पर मिट्टी डालते है; मैं चला नहीं गया। मैं फिर भी, जीवित हूं, क्योंकि वह जीवित है। नहीं।

293 किसी महिमामय वसंत की प्रातः, जब सब पूरा हो जाएगा; और परमाणु बम फट कर संसार उसे हटा देगा और और उसे उस ओर भेज दिया, और वह घूम जाएगी, वर्षों से होते हुए और उसे निर्मल कर दिया, वापस लाया; और नारियल जमीन से फिर उगने लगे सारी सृष्टी का पुनरुत्थान, जैसे परमेश्वर ने आरंभ में किया था। मिट्टी में कोई गंदगी नहीं होंगी। हवा में कोई गंदगी नहीं होंगी। और ताड़ के पेड़, कोई किटाणु नहीं या बीमारी कि उनको तोड़ कर नीचे गिरा दे। सेब का पेड़ कभी पुराना नहीं होगा। हाल्लेलुय्या! वह जीवित हो जाएगी। और किसी शानदार सुंदर प्रातः, जब बड़ी चिड़ियाये एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर उड़ती है, यीशु इस पृथ्वी पर फिर प्रगट होगा। और जब वह आता है, "वे जो मसीह में मरे है, परमेश्वर उन्हें ले आएगा।"

294 हम भी ईस्टर की प्रातः आ जाएंगे, अपने प्रिय जनों से मिलने और उन्हें शुभकामना देने। क्या वह अद्भुत समय नहीं होगा? [सभा कहती है, "आमीन"—सम्पा।]

295 और मैं वहां खड़ा हो सकता हूं... और मैं अपनी बूढ़ी मां को वहां भवन में पीछे बैठे हुए देखता हूं, इस प्रात में बूढी और कांप रही है और पक्ष घात से भरी हुई है और वह बूढी हो रही है। मैं उसे वहां देख सकता हूं, और कहता हूं, "मां, यह तेरा पुत्र है।" और मैं वहां पहुँचता हूं और अपने प्रिय जनों को देखता हूं, और मेरे प्रिय मित्र जो यहां कलीसिया में है, थोड़ा पुराना भाई जॉर्ज डिआर्क वे सब जो मसीह यीशु में चले गये। मेरे सारे प्रिय मित्र, जब वे जी उठे और मैं उन से मिल सकता हूं।

296 और तब वहां जाकर और कहता है, "वहां यह कौन आ रहा है? "

297 "वह पौलुस है। ये सिलास आता है। ये डेनियल है। यहां, ये येहजकेल है। यहां ये सब बाकी लोग है।" और हम परमेश्वर के इस स्वर्ग लोक से निकल कर जा सकते है।

298 वहां होगा वास्तविक पुनरुत्थान होगा, मित्रों इन्हीं किन्हीं प्रातः में। हम तुम लोगों से मिलेंगे।

299 वह छोटी बच्ची जो *इस* प्रकार से मर गई थी, वह एक युवा स्त्री होगी। और वह अपने हाथों को मां के गले में डालेगी और रोना और चिल्लाना, और परमेश्वर की स्तुति उसके पुत्र मसीह यीशु के महिमामय पुनरुत्थान के लिए। किसी महिमामय दिन में, यह आएगा।

300 हम अब जीवित हो गये क्योंकि हमारे पास हमारे उद्धार का बयाना है, पवित्र आत्मा यहां पर है, इस बात की गवाही रखता है कि एक पुनरुत्थान है। यह कैसा है?

301 एक बार मैं एक पापी था। एक समय मैं कभी भी इस प्रकार मंच के पीछे नहीं खड़ा होता। एक समय आप कभी भी मुझे ऊंची आवाज में "आमीन"; कहते हुए सुन सकते थे मुझे लज्जा आती। एक समय था मेरी आंखों में एक भी आंसू होता; मुझे लज्जा आती। मैं "बड़ा बुरा बिल" था।

302 परंतु, एक दिन, यीशु मसीह मुझे अपनी पुनरुत्थान की सामर्थ में मिला। उसने उस पत्थर के ह्रदय को तोड़कर मेरे भीतर से निकाल दिया। उसने नया मन डाल दिया। उसने नया स्वभाव डाल दिया। उसने यहां एक नए व्यक्ति को डाल दिया। और आज, क्योंकि वह जीवित है, मैं भी जीवित हूं।

303 मित्रों इन्हीं दिनों में, जब मैं मार्ग के अंत में आता हूं, आप और हम सब, और युद्ध में हमारे हथियार अच्छी तरह से पिटे हुए है! ओह, प्रभु! उस पुरानी ढाल को देखें, देखिए कितने अग्निमय बरछे उसने मुझ पर से बचाये है। मैं वहां हूं और अनुभव करता हूं कि लहरे मेरे प्राणों में उठ रही है, तब मैं जानता हूं कि मैं अपने जीवन के अंत पर हूं। जैसे कि मेरी मां वहां पर है और जैसे सारे ब्रंहम, जब वे बहुत बूढ़े हो गए, वे जर्जर देह में हिलने लगते है।

304 मैं वहां खड़ा होना चाहता हूं, हाल्लेलुय्या, घड़ी पर झुका हुआ जीवन के अंतिम छोर पर। मैं अपना हेलमेट उतारना चाहता हूं, और समुद्र के किनारे रख देना चाहता हूं; किनारे पर घुटने टेक कर, और अपनी पुरानी तलवार वापस अनंतता की म्यान में, और अपने हाथों को उठाते हुए और चिल्लाते हुए। और मैं जानता हूं, जैसे कि मैं मृत्यु की छाया की घाटी में होकर निकलू, वह भोर का तारा मार्ग में उजियाला दिखाने को आ जायेगा। पवित्र आत्मा अपने चिकने पंखों को उस भयानक कीचड़ वाली यरदन के आर–पार फैला देगा, और हमारे थके हुए प्राणों को अच्छे देश में ले जाएगा। जी हां, श्रीमान।

305 आप भयभीत ना हो। "मैं किसी भी बुरी चीज से ना डरूंगा, क्योंकि तू मेरे साथ है।" "जय ने समस्त मृत्यु को निगल लिया है।" वहां... मृत्यु कुछ नहीं कर सकती। एक लेखक ने कहा, कि, "परमेश्वर ने मृत्यु के साथ

केवल यह किया, उसने उसे एक बग्गी में जोत दिया है, इसे बग्गी के घुरे पर बैठा दिया है। और मृत्यु केवल यह कर सकती है कि विश्वासी को खींच कर उसके रचयिता की उपस्थिति में पहुंचा दे।" मृत्यु केवल इतना कर सकती है। और इन्हीं दिनों में मृत्यु इस मरणहार भाग को पीस देगी।

306 परंतु जब मैं एक बालक था, और वहां एक अलौकिक जीवन मेरी मां के पास प्रतीक्षा कर रहा था, कि मुझे जीवन दे, और जब मैंने जन्म लिया। "इसलिए यदि यह पृथ्वी का घर गिराया जाएगा, तो वहां महिमा में एक पहले ही प्रतीक्षा कर रहा है," वहां तैयार है, जहां कोई बीमारी या दुःख नहीं है। और जैसे कि मैं यहां आत्मा के द्वारा दिया गया, और परमेश्वर का आत्मा चिल्ला रहा था, "अब्बा पिता"; केवल मैं ही नहीं, परंतु संसार का हर व्यक्ति, जिसने नया जन्म पाया, जबकि यह—जबकि यह आत्मिक देह। जबकि हम अपने प्रभु यीशु मसीह के अनुग्रह में बढ़ रहे है। किसी दिन हम वहां सीमा के पार कदम रखेंगे और हम उस नयी देह में होंगे, जहां कभी भी सफेद बाल नहीं होंगे, झुके हुए कंधे या इस प्रकार कि कोई भी चीज। हम वहां सदा के लिए युवा होंगे, क्योंकि यीशु मसीह तीसरे दिन जी उठा उसके पुनरुत्थान के बाद–... अपनी मृत्यु के बाद वह फिर जी उठा।

307 वह जीवित है। वह राज्य करता है। अब, जाकर उसके चेलों को बताओ। "जाकर उसके लोगों को बताओ कि उसने कहा, 'मैं तुझसे गलील में मिलूंगा।'" इन्हीं किन्हीं दिनों में, गलील का परमेश्वर वहां कहीं, मैं उससे शांति में मिलने की आशा करता हूं, क्योंकि वह आज मेरे हृदय में जीता है। मैं विश्वास करता हूं कि वह प्रत्येक के साथ एक सा है। और जबकि हम...

308 मुझे खेद है मैंने यहां बहुत समय ले लिया, बस लगभग कुछ घंटे अभी संडे स्कूल आरंभ होना है। क्या हम अपने सिरों को झुकाएंगे।

309 ओह अनुग्रहकारी परमेश्वर स्वर्ग और पृथ्वी के रचने वाले अनंत जीवन के लिखने वाले, हर अच्छे वरदान के देने वाले, हम तेरा धन्यवाद करते है, इस प्रातः, यीशु मसीह के पुनरुत्थान के लिए। लगभग उन्नीस सौ वर्ष पहले इस प्रातः यह महान घटना हुई थी। इससे पहले मनुष्य मृत्यु से डरता था; परंतु, उसके आ जाने के बाद, उसने मृत्यु के सारे भय को निकाल दिया।

310 और आज वह जीवित है और हमारे हृदय में राज्य करता है। उसने कहा, जब वह मृतकों में से जी उठा, तो उसने कहा, "इस संसार के अंत तक, मैं तुम्हारे साथ होऊंगा, बल्कि तुम्हारे अंदर होऊंगा।" इस घटना के बाद से उन्नीस सौ और कुछ वर्ष बीत गए है, परंतु, इस प्रातः, वह हमारे हृदयो में ताजगी में जीवित है।

311 प्रभु इस प्रातः हम उसकी आराधना करने के लिए, एकत्र हुए है, उसके वचन को सिखाने कि उसके आत्मा का अनुभव करें, कि एक दूसरे से हाथ मिलाए और एक दूसरे से करें; और कहे, "प्रभु की महिमा हो," क्योंकि हम यह विश्वास करते हैं कि वह मरा और फिर जीवित हो उठा।

312 प्रभु इस प्रातः हम विश्वास करते हैं कि परमेश्वर के अनुग्रह से अनंत जीवन हमारे शारीरिक जीव में है। हम विश्वास करते हैं कि यहां परमेश्वर का आत्मा है, जो मर नहीं सकता, यह कभी भी नहीं मरेगा। और वह... उसने कहा, "मैं उन्हें अनंत जीवन दूंगा। वे कभी नष्ट नहीं होंगे, और मैं उन्हें अंतिम दिन जिला उठाऊंगा।" प्रभु, हम इसका विश्वास करते है क्योंकि हम उसके पुनरुत्थान के गवाह है।

313 अब, पिता, इस दिन में हमें आशीषित करें। हमारे साथ जो अपरिचित लोग जो भीतर है, आशीषित करें। और आज का दिन आनंदमय हो।

314 और यदि इस प्रातः प्रभु वे यहां हैं, जिन्होंने कभी भी नया जन्म प्राप्त नहीं किया, जिन्हें यीशु के साथ जीने का अनुभव नहीं है उसके जी उठे जीवन में, नए जीवन में, जहां पुराने बंधन और सांसारिक चीजों की सारी इच्छाएं चली गई, और नहीं जानते कि मसीह यीशु में नई सृष्टी होने का क्या अर्थ है; ओह पवित्र आत्मा, आज उन पर मंडरा। और उनके जीवन में अनंत जीवन फूँक। और होने पाए स्वर्गीय आनंद की घंटियां इस ईस्टर में बज उठे आज एक क्रीस्त जयंती का, आनंद और होने पाए, वे आगे बढ़े और तुझ में एक नई सृष्टि बन जाए।

315 प्रभु अपने दास की प्रार्थना सुन, क्योंकि मैं यह आशीष यीशु मसीह के नाम में मांगता हूं। आमीन।

ठीक है, क्या हम खड़े होंगे। ठीक है, भाई नेविल।

जाकर, मेरे चेलो को बताओ HIN53-0405S

(Go, Tell My Disciples)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में ईस्टर रविवार की सुबह सूर्योदय के समय, 5 अप्रैल, 1953 को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2022 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org